RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः92, शनिवार, 16 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

72 घंटे में लूटकांड का खुलासा, हथियार और लूटे गए सामान के साथ चार अपराधी गिरफ्तार 03

भंडार में विष्णु महायज्ञ प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण संपन्न, जालबोझी के दौरान हुए विवाद के... 04

शोर से दूर रहकर ही कलाकार बेहतर काम कर सकते हैं,सोशल मीडिया... 07

पीएम मोदी के स्वागत में यूएई ने उड़ाए एफ-16

● राष्ट्रपति ने खुद एयरपोर्ट पर किया रिसीव ● भारत-यूएई के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर समझौता

दुबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई एयरफोर्स के एफ- 16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े एमओयू भी साइन किए गए। यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की। भारत और यूएई के बीच हुए 7 समझौते हुए हैं।

पीएम मोदी बोले-

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर भारत-यूएई रिश्तों को मजबूत और भरोसेमंद बताया। उन्होंने कहा, भारत और यूएई की दोस्ती बहुत मजबूत है। मोदी ने कहा कि दोनों देश बेहतर भविष्य के निर्माण के लक्ष्य के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

भारत-यूएई साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंची- मोदी ने कहा कि जनवरी में यूएई राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान रिश्तों को और मजबूत करने पर सहमति बनी थी। उन्होंने कहा कि कम समय में दोनों देशों ने सभी क्षेत्रों में तेज प्रगति की है।

होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित रहना जरूरी- मोदी ने कहा कि भारत चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित बना रहे। उन्होंने कहा कि वेस्ट एशिया युद्ध का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है और भारत हमेशा संवाद व कूटनीति के जरिए समाधान का पक्षधर रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हर परिस्थिति में् श्व के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए भारत हर संभव सहयोग देगा।

यूएई पर हमले किसी भी रूप में स्वीकार नहीं- मोदी ने यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यूएई को जिस तरह निशाना बनाया गया, वह किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। मोदी ने राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के लिए यूएई की ओर से उठाए गए कदमों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कठिन समय में यूएई में रह रहे भारतीय समुदाय की जिस तरह देखभाल की गई, वह सराहनीय है।

एमपी हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

'धार भोजशाला वाग्देवी मंदिर है...'

● मस्जिद पक्ष को मिलेगी अलग जमीन ● मंदिर पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की प्रतिक्रिया- हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिला

धार/इंदौर (एजेंसी) धार भोजशाला को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने कहा कि भोजशाला परिसर मंदिर ही है। मस्जिद पक्ष को अलग जमीन दी जाएगी। इसके लिए मस्जिद पक्ष सरकार से याचिका करे। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने धार स्थित भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करते हुए इसे मंदिर माना है। मस्जिद पक्ष यदि सरकार को आवेदन देता है तो उसे अलग जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार इंग्लैंड से वाग्देवी की प्रतिमा लाने का प्रयास करे। कोर्ट ने अंतरसिंह की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने कोर्ट से मांग की थी कि दोनों पक्षों में सौहार्द बना रहे, इस तरह की व्यवस्था का आदेश दिया जाए। मंदिर पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने इस फैसले के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिला। भोजशाला का फैसला हिंदू पक्ष में आते ही इंदौर के हाई कोर्ट गेट 3 के सामने समर्थकों ने जश्न मनाया।

सुप्रीम कोर्ट जाएगा मस्जिद पक्ष

धार भोजशाला में अब नमाज पर रोक लग गई है, अब सिर्फ यहां पूजा होगी। मस्जिद पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद के साथ ही अरशद वारसी और शोभा मेनन ने पक्ष रखा था। मंदिर पक्ष की ओर से विष्णु शंकर जैन और मनीष गुप्ता ने तर्क प्रस्तुत किए थे। अब मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है।

क्या था पूरा विवाद?

यह विवाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) संरक्षित भोजशाला परिसर के धार्मिक स्वरूप को लेकर है। हिंदू पक्ष इसे मां सरस्वती का मंदिर और प्राचीन विद्या केंद्र मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद बताता रहा है। वहीं जैन समुदाय के एक पक्ष का दावा है कि यह मध्यकालीन जैन मंदिर और गुरुकुल था। हिंदू पक्ष की ओर से हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर भोजशाला को मंदिर घोषित करने तथा हिंदू समाज को वर्षभर 24 घंटे पूजा-अर्चना का अधिकार देने की मांग की गई थी। इस मामले को लेकर पिछले चार साल से सुनवाई चल रही थी। लंबी न्यायिक प्रक्रिया और बहस पूरी होने के बाद अब हाई कोर्ट ने धार भोजशाला को मंदिर करार दिया है। इस फैसले के बाद से हिंदू पक्ष में खुशी का माहौल है।

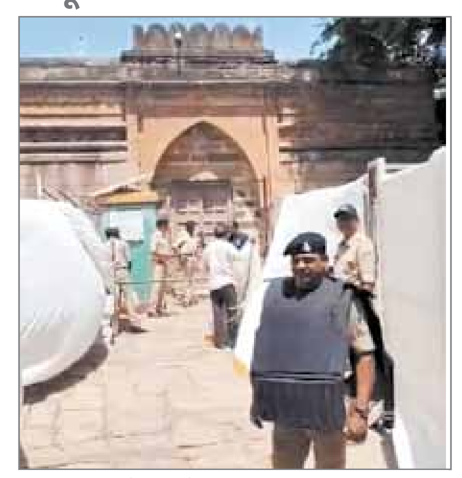

विवाद में वाग्देवी प्रतिमा भी बड़ा मुद्दा- विवाद में मां वाग्देवी की प्रतिमा का मुद्दा भी प्रमुख रहा है। रिकॉर्ड के अनुसार 1875 में खुदाई के दौरान प्रतिमा मिलने का उल्लेख है। बाद में ब्रिटिश अधिकारी इसे इंग्लैंड ले गए।

तेल संकट के बीच सुप्रीम कोर्ट का बड़ा कदम

जज करेंगे कार पूलिंग

हफ्ते में दो दिन होगी ऑनलाइन सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी की ईंधन बचत की अपील पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने वर्किंग को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। अब कोर्ट के हर विभाग का स्टाफ दो दिन वर्क फ्रॉम होम पर रहेगा। सभी जज कार पूल करेंगे। रजिस्ट्री से जुड़ा 50 फीसदी स्टाफ भी घर से काम करेगा।

सोमवार, शुक्रवार और मिसलेनियस डे (जो दिन पहले से तय नहीं होते) पर लिस्ट मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। इसके अलावा कोर्ट के अन्य वर्किंग डे में भी सुनवाई ऑनलाइन ही की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-दो एयरलाइन का किराया अलग-अलग क्यों, सरकार से कहा- लोगों को थोड़ी राहत दें- सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक ही दिन, एक ही सेक्टर में उड़ान भरने वाली एक एयरलाइन कुछ अलग हवाई किराया लेती है जबकि दूसरी एयरलाइनल अलग किराया लेती है। इसे सही किया जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और

संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र सरकार से यात्रियों को राहत देने को कहा। इस पर केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार इस समस्या पर बहस नहीं कर रही है। इस मुद्दे को बिना किसी विरोध के मान रही है। 2024 का एक नया कानून लागू हो गया है और उससे जुड़े नियमों पर सलाह-मशविरा चल रहा है।

● **कॉकरोच जैसे भी युवा हैं.. चीफ जस्टिस बोले- कुछ आईटीआई एक्टिविस्ट बन सब पर हमला बोलते हैं-** भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को कुछ बेरोजगार युवकों की तुलना कॉकरोच से करते हुए कहा कि उनमें से कुछ मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई एक्टिविस्ट बन जाते हैं और हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की इस तरह की टिप्पणी तब सामने आई जब सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने की मांग करने वाले एक वकील की याचिका को सुन रहे थे। एएनआई के मुताबिक बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा, पूरी दुनिया सीनियर (एडवोकेट) बनने की हकदार हो सकती है, लेकिन कम से कम आप इसके अधिकारी नहीं हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा-

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी

● रद्द हुई परीक्षा 21 जून को ● यह पेपर-पेंसिल से होगी, सरकार ने माना- पेपर लीक हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले सत्र से नीट यूजी परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई नीट यूजी -2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे। उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। एनटीए ने सरकार को बताया।

फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया। शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।' इससे पहले 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे।

छात्रों के आने-जाने के लिए राज्यों से बात करूंगा- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ। ऐसे में सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करेगी कि इस बार कोई अनियमितता न हो। मंत्री के रूप में, अभिभावक के रूप में, अधिकारी के रूप में हमें परीक्षा रद्द करने का कठिन निर्णय लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें सुधारों के लिए कई सुझाव मिले हैं। हम इस पर काम कर रहे हैं। एनटीए का गठन सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार हुआ था। इसके अलावा मैं उम्मीदवारों के परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों से बात करूंगा।

नीट पेपर लीक केस में अब तक 7 गिरफ्तारियां- सीबीआई ने इस मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 5 यानी राजस्थान से पकड़े गए मांगी लाल बिंवाल, जमवारामगढ़ के भाई दिनेश बिंवाल, बेटा विकास बिंवाल, हरियाणा के गुरुग्राम के रहने वाले यश यादव और नासिक से शुभम खैरनार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने पांचों आरोपियों को 7 दिन की कस्टडी में भेज दिया है। सीबीआई ने इनके अलावा, पुणे से ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे, नासिक से धनंजय लोखंडे को गिरफ्तार किया था।

गृह मंत्रालय की स्थायी समिति के जम्मू-कश्मीर अध्ययन दौरे में शामिल हुए राजद सांसद संजय यादव

पटना। संसद की गृह मंत्रालय संबंधित स्थायी समिति के जम्मू-कश्मीर अध्ययन दौरे में बिहार से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्यसभा सांसद संजय यादव सक्रिय रूप से शामिल हुए। वर्तमान में जारी इस दौरे के दौरान समिति ने श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर प्रशासन एवं गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर समीक्षा बैठक की। बैठक में सुशासन, आधारभूत संरचना विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कृषि एवं किसान कल्याण, नशा विरोधी अभियान को मजबूत बनाने, अतिरिक्त नशा

मुक्ति केंद्रों की स्थापना तथा घाटी के युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति ने क्षेत्रीय विकास और आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अध्ययन दौरे के प्रथम दिन सांसद संजय यादव ने श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन-पूजन भी किया। इसके बाद आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में आपदा प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था, जनसुविधाओं के विस्तार, प्रशासनिक तैयारियों तथा तकनीक आधारित समन्वय प्रणाली को और प्रभावी बनाने पर मंथन किया गया। बैठक में गृह मंत्रालय संबंधित स्थायी समिति के अध्यक्ष राधामोहन दास अग्रवाल सहित विभिन्न दलों के सांसद और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जम्मू-कश्मीर का यह अध्ययन दौरा विकास, जनसुरक्षा, सुशासन और युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

1 बाइक पर तीन सवार, पीछे से मौत बनकर आया ट्राला, तीनों की मौत

भीलवाड़ा (एजेंसी)। अजमेर-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे 48 पर एक ऐसा खौफनाक और दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं। हाईवे के मांडल चौराहा ओवरब्रिज पर एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रोले ने आगे चल रही एक बाइक को पीछे से बेरहमी से कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार राजकीय रेलवे पुलिस के एक हेड कांस्टेबल, एक कांस्टेबल और उनकी

हिरासत में मौजूद एक आरोपी की मौत हो गई। अक्सर पुलिस सड़कों पर तीन सवारी बैठने वालों के खिलाफ कार्रवाई करती है, लेकिन इस बार नियति का क्रूर खेल देखिए कि खुद कानून के रखवालों को ड्यूटी के दौरान एक ही बाइक पर तीन सवार होना पड़ा, जो बाद में काल का कारण बन गया। जीआरपी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेश कुमार शर्मा के अनुसार, रायला रेलवे स्टेशन जीआरपी चौकी को सूचना मिली थी कि वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूम रहा है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते

'हम दिल दे चुके सनम' 4 बच्चों की मां ने प्रेमी संग रचाई शादी

पति ने पत्नी को दुल्हन की तरह सजाया

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बहुआरा पट्टी गांव में एक ऐसी शादी हुई, जिसने लोगों को 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म की याद दिला दी। फर्क सिर्फ इतना था कि यहां फिल्मी पर्दे पर नहीं, बल्कि गांव में पंचायत के बाद ये शादी हुई। बारात की जगह ग्रामीणों की भीड़ और भावनाओं के बीच एक पति ने खुद अपनी पत्नी का हाथ उसके प्रेमी के हाथों में सौंप दिया। गांव में हुई इस अनोखी शादी की चर्चा अब पूरे इलाके में हो रही है। बताया जा रहा है कि 32 वर्षीय ज्योति कुमारी की शादी कई वर्ष पहले अनूप कुमार राम से हुई थी। दोनों के चार बच्चे भी हैं। परिवार रोजी-रोटी के लिए पश्चिम बंगाल के आसनसोल में रहता था। इसी दौरान अनूप के एक दोस्त राजेश दास का घर आना-जाना बढ़ा और धीरे-धीरे ज्योति और राजेश के बीच प्रेम संबंध बन गए।

यह बोले ग्रामीण

फिर ग्राम कचहरी के पास स्थित मंदिर में ग्रामीणों की मौजूदगी में ज्योति और राजेश ने शादी रचा ली। शादी के दौरान सबसे भावुक पल तब आया, जब महिला के चारों बच्चे अपनी मां की दूसरी शादी को चुपचाप देखते रहे। किसी की आंखों में हैरानी थी तो किसी के चेहरे पर उदासी। गांव की महिलाएं भी इस दृश्य को देखकर भावुक हो उठीं। यह पूरा मामला अब इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। कोई इसे सच्चे प्यार की जीत बता रहा है, तो कोई पारिवारिक रिश्तों के टूटने की दर्दनाक कहानी। लेकिन इतना जरूर है कि बहुआरा पट्टी गांव की यह शादी लोगों को लंबे समय तक याद रहने वाली है। उधर, गांव में चर्चा है कि पंचायत ने शादी की इजाजत तो दे दी, लेकिन उन चार बच्चों का क्या होगा, जो बिना मांग के हो जाएंगे। इस शादी की कोई आलोचना कर रहा है। कोई पंचायत के साथ पति को दोष दे रहा है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोग प्रेमिका और प्रेमी को सही बता रहे हैं। कुछ लोगों ने कहा कि पति का फैसला सही है, उसने सही फैसला लेकर अपना परिवार टूटने से बचा लिया है। बच्चों को वो पाल लेगा, लेकिन उसकी पत्नी सुखी हो गई। इस शादी की चर्चा पूरे जिले में हो रही है।

यह था पूरा मामला

ग्रामीणों के अनुसार यह रिश्ता कोई नया नहीं था, बल्कि पिछले करीब 14 वर्षों से दोनों एक-दूसरे के करीब थे। समय के साथ मामला इतना आगे बढ़ गया कि राजेश गांव पहुंचकर ज्योति के साथ रहने लगा। इसके बाद

परिवार और गांव में विवाद शुरू हो गया। मामला थाने तक पहुंचा, लेकिन जब समाधान नहीं निकला तो पंचायत बुलाई गई। पंचायत में घंटों चली बातचीत के बाद ऐसा फैसला हुआ, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया। पति अनूप कुमार राम ने भारी मन से पत्नी की खुशी को प्राथमिकता दी और पंचायत के सामने दोनों की शादी कराने पर सहमति दे दी।

संक्षिप्त समाचार

रिश्वत लेते नगर परिषद के कनीय अभियंता गिरफ्तार

पटना/सीतामढ़ी। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर परिषद कार्यालय, सीतामढ़ी के कनीय अभियंता विजय कुमार शर्मा को 1 लाख 45 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार अभियुक्त द्वारा कार्य आवंटन कराने के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गई। निगरानी टीम ने जाल बिछाकर कनीय अभियंता विजय कुमार शर्मा को जानकीपुर रोड, सीतामढ़ी स्थित नगर परिषद कार्यालय के परिसर से 1 लाख 45 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त को विशेष न्यायालय, निगरानी, मुजफ्फरपुर में पेश किया जाएगा। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2026 में भ्रष्टाचार के विरुद्ध यह 57वीं प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई है। यह ट्रैप से संबंधित 52वां मामला है। अब तक कुल 50 अभियुक्तों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया जा चुका है तथा 20 लाख 41 हजार 200 रुपये रिश्वत राशि बरामद की गई है। ब्यूरो ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी सरकारी पदाधिकारी या कर्मी द्वारा रिश्वत की मांग की जाती है तो इसकी शिकायत तुरंत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो से करें।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण को लेकर बीडीओ ने बीएलओ के साथ की समीक्षा बैठक

अरेराज। सोमेश्वर प्लस टू उच्च विद्यालय के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में प्रखंड क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारियों (बीएलओ) की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची के अद्यतन एवं शुद्धिकरण कार्यों की समीक्षा करना था। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित ने कहा कि उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, पटना एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण के निर्देशानुसार सभी बीएलओ यह सुनिश्चित करें कि मतदाता सूची पूरी तरह त्रुटिहीन हो। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्थिति में अयोग्य व्यक्तियों का नाम निर्वाचन सूची में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी विशेष जोर दिया कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रहे। बीडीओ ने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी या लापरवाही पाई गई तो संबंधित बीएलओ के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी बीएलओ को निर्देश दिया गया कि वे समय-समय पर अपने चेकलिस्ट का सत्यापन अवश्य करते रहें, ताकि मतदाता सूची का डाटा पारदर्शी एवं सटीक बना रहे। बैठक में बीएलओ सुपरवाइजर मिंटू कुमार मिश्रा, विकास कुमार आर्य, धर्मवीर कुमार, बृजभूषण तिवारी, रामजी प्रसाद एवं अमरेंद्र कुमार उपस्थित रहे। वहीं बीएलओ रजनीश कुमार मिश्रा, उपेंद्र सहनी, तबरेज आलम, अनवर आलम, आलोक चंद्र, रिपु सुदन शर्मा सहित प्रखंड क्षेत्र के सैकड़ों बीएलओ बैठक में शामिल हुए।

सराय टोल प्लाजा के पास से 2 तस्कर गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान सराय टोल प्लाजा के पास से लगभग 60 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई एक हुंडई वर्ना कार से की गई। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों के पास से गांजे के अतिरिक्त तीन मोबाइल फोन, 3300 रुपये नकद और तस्करी में प्रयुक्त हुंडई वर्ना कार भी जब्त की है। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। सदर 02 लालगंज के एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि वैशाली पुलिस जिले में अवैध मादक पदार्थों के सेवन, बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर की गई। सराय थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि मुजफ्फरपुर से हाजीपुर की ओर एक हुंडई वर्ना कार में मादक पदार्थ ले जाया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर डीआईयू और सराय थाना की टीम सराय टोल प्लाजा पर पहुंची। पुलिस टीम ने मुजफ्फरपुर की ओर से आ रही संदिग्ध हुंडई वर्ना कार को रोका। पुलिस को देखकर कार सवार दोनों तस्कर भागने लगे, जिन्हें टीम ने पीछा कर पकड़ लिया। विधिवत तलाशी के दौरान कार से लगभग 60 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे जब्त कर लिया गया। इस संबंध में सराय थाना में कांड संख्या 161/26 दर्ज किया गया है। दोनों गिरफ्तार तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान अवैध मादक पदार्थ के स्रोत और इसके खरीदारों का खुलासा होगा। गिरफ्तार तस्करों में से एक का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाने में गांजा खरीदने-बेचने का एक मामला दर्ज है। पुलिस अब इस गिरोह में शामिल अन्य तस्करों का पता लगाने और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

दिखा शिवलिंग आकार का अनोखा फूल, मुरौवतपुर गांव में ग्रामीण कर रहे पूजा, कृषि विभाग करेगा जांच

हाजीपुर। वैशाली जिले के सहदेई बुजुर्ग प्रखंड के मुरौवतपुर गांव में एक खेत में शिवलिंग के आकार का एक विशाल फूल खिला है। इस अनोखे फूल को देखने के लिए आसपास के ग्रामीण उमड़ पड़े हैं और इसे भगवान शिव का रूप मानकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। यह फूल आकार में काफी बड़ा है और इसका रंग रक्त लाल है, जो लोगों के बीच कौतूहल का विषय बना हुआ है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि यह भगवान शिव की महिमा है, जिसके चलते वे इसे पूजनीय मान रहे हैं। मौके पर महिलाएं भगवान शिव के गीत गाकर पूजा कर रही हैं। इस घटना की सूचना वैशाली के कृषि अधिकारियों को दे दी गई है। कृषि विभाग के अधिकारी अब इस फूल की प्रजाति और इसके खिलने के कारणों का पता लगाएंगे। अधिकारियों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह किस प्रकार का फूल है। तब तक ग्रामीण अपनी आस्था के अनुसार इसकी पूजा जारी रखे हुए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह ओल का फूल है, जो आमतौर पर बरसात के मौसम में इसी महीने में निकलता है।

पुलिस के सामने ईंट चोरी, मारपीट, पुलिस पर पक्षपात का आरोप

हाजीपुर। वैशाली थाना क्षेत्र के खेदड़पूरा गांव में ईंट चोरी और मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 10 मई की बताई जा रही है, जिसमें पीड़िता सुमन देवी ने गांव के कई लोगों पर खेत के पास रखी ईंटों को ट्रैक्टर पर लादकर ले जाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर गांव में तनाव का माहौल है, जबकि घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़िता सुमन देवी के अनुसार, गांव के विनोद राय, सकिंदर राय, जलेश्वर राय, उमेश राय, रामनाथ पासवान, रंजीत पासवान और वैशाली थाना के चौकीदार उमेश कुमार सिंह सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में पहुंचे और उनके खेत के बगल में रखी ईंटों को ट्रैक्टर पर लादकर ले जाने लगे।

पटना में आईपीएल सट्टेबाजी को लेकर गोलीबारी, दो घायल

नौबतपुर में देर रात घर पर चढ़कर फायरिंग का आरोप, 10 लाख कर्ज को लेकर विवाद

एजेंसी, पटना

पटना में आईपीएल सट्टेबाजी के रुपये के विवाद को लेकर गुरुवार देर रात गोलीबारी की घटना सामने आई है। घटना नौबतपुर थाना क्षेत्र के बड़ी कोपा गांव की है। घटना में 64 वर्षीय राज किशोर सिंह और उनका 13 वर्षीय भतीजा आयुष कुमार छर्रा लगने से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

10 लाख रुपये के कर्ज को लेकर विवाद: घटना गुरुवार रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। राज किशोर सिंह ने नौबतपुर थाना में दिए आवेदन में गांव के शिवम कुमार, गोपाल जी, छोटी उर्फ आशुतोष और अमन कुमार समेत आधा दर्जन लोगों पर घर पर चढ़कर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनका 22 वर्षीय पुत्र गुरुदेव कुमार, जो बीए का छात्र है, आईपीएल मैचों में सट्टेबाजी करता था। इसी दौरान उसने गांव के कुछ युवकों से ऊंचे ब्याज पर लाखों रुपये उधार लिए थे। बताया जा रहा है कि उस पर करीब 10 लाख रुपये से अधिक का कर्ज हो गया था।

रुपये मांगने पहुंचे आरोपी, विरोध पर चलाई गोली: परिजनों के अनुसार, कर्ज देने वाले युवक लगातार रुपये लौटाने का दबाव बना रहे थे। आरोप है कि गुरुवार देर रात आरोपी हथियार लेकर घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। जब परिवार के लोगों ने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान निकले छर्रे राज किशोर सिंह और आयुष कुमार को लगे, जिससे दोनों घायल हो गए।

वायरल वीडियो की जांच में जुटी पुलिस: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सहायक थाना प्रभारी इंदल कुमार यादव ने बताया कि, पीड़ित के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस घटना के एक वायरल वीडियो की भी जांच कर रही है, जिसमें गोलीबारी की आवाज सुनाई दे रही है। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

नौबतपुर थाना क्षेत्र के बड़ी कोपा गांव में आईपीएल सट्टेबाजी के 10 लाख रुपये के विवाद को लेकर गोलीबारी हुई। गुरुवार देर रात हुई इस घटना में 64 वर्षीय राज किशोर सिंह और उनका 13 वर्षीय भतीजा आयुष कुमार छर्रा लगने से घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के लिखित आवेदन पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना गुरुवार की रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। घायलों को परिजनों द्वारा इलाज के लिए ले जाया गया। राज किशोर सिंह ने नौबतपुर थाना में दर्ज कराए गए आवेदन में गांव के ही शिवम कुमार, गोपाल जी, छोटी उर्फ आशुतोष और अमन कुमार सहित आधा दर्जन लोगों पर घर पर चढ़कर अंधाधुंध फायरिंग करने का आरोप लगाया है।

पटना वीमेंस कॉलेज में लागू होगा नया ड्रेस कोड, अगले सत्र से होगा बदलाव

एजेंसी, पटना

पटना वीमेंस कॉलेज में अगले सत्र 2026-27 से नया ड्रेस कोड लागू किया जाएगा। अलग-अलग संकायों की स्पष्ट पहचान के लिए यूनिफॉर्म का अलग कलर शेड रहेगा। कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं के ड्रेस कोड में बदलाव किया है। नामांकन के दौरान छात्राएं अपने कोर्स के अनुसार ड्रेस का ऑर्डर दे सकेंगी, ताकि सत्र की शुरुआत से ही सभी छात्राएं निर्धारित ड्रेस कोड में कैंपस आ सकें।

वोकेशनल कोर्स के लिए क्रीम शेड के यूनिफॉर्म: नए सत्र के लिए निर्धारित शेड के मुताबिक, बीसीए, एमसीए और डीएसए की छात्राओं के लिए लाइट ग्रीन शेड तय किया गया है। वहीं, वोकेशनल कोर्स, बीकॉम प्रोफेशनल, फैशन डिजाइनिंग, बीबीए, बीएमसी, सीएमएस, एएमएम, एमबायो और बीकॉम ऑनर्स की छात्राएं क्रीम शेड के यूनिफॉर्म में नजर आएंगी। बीए की छात्राओं के लिए ग्रे, बीएससी के लिए ग्रीन और पीजी की कुछ श्रेणियों के लिए लाइट पर्पल शेड निर्धारित किया गया है। अभी सलवार-सूट का विकल्प रखा गया है। हालांकि, कुछ विशिष्ट पाठ्यक्रमों में पैंट-शर्ट को भी शामिल किया गया है।

❐ **वोकेशनल कोर्स के लिए क्रीम शेड के यूनिफॉर्म**

15 मई तक नामांकन का आखिरी दिन: वहीं, पटना वीमेंस कॉलेज में आज नामांकन का आखिरी दिन है। 15 मई तक छात्राएं फॉर्म भर सकती हैं। 25 मई को सुबह 10 बजे से बीएससी ऑनर्स के मुख्य विषयों जैसे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जूलॉजी की प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। इसी दिन दोपहर 12:30 बजे से बीए ऑनर्स के विभिन्न विषयों के लिए परीक्षा ली जायेगी। अंग्रेजी ऑनर्स लेने वाली छात्राओं के लिए 26 मई को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू का भी आयोजन किया जाएगा। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे बीसीए और बीबीए में चयन ऑनलाइन इंटरव्यू के माध्यम से होगा।

पटना के एकलव्य खेल प्रशिक्षण केंद्र के लिए सेलेक्शन ट्रायल

एजेंसी, पटना

बिहार में एकलव्य राज्य आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र और जिला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए आज से सेलेक्शन ट्रायल शुरू किया जाएगा। यह सेलेक्शन ट्रायल 22 मई तक चलेगा। जिला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत आयोजित ट्रायल्स में 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे, जबकि एकलव्य चयन ट्रायल्स में 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

5 खेलों के लिए होगा सेलेक्शन ट्रायल: बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि, 'जिला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत ताइक्वांडो, कबड्डी और बैडमिंटन के लिए ट्रायल होगा। वहीं, एकलव्य सेंटर के लिए वॉलीबॉल और वाटर स्पोर्ट्स (कयाकिंग एवं कैनोइंग) के लिए सेलेक्शन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों को ट्रायल्स में भाग लेने के दौरान आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल प्रमाण पत्र, खेल प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो और बिहार निवास प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

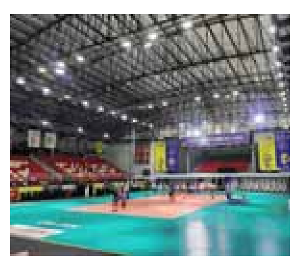

❐ **आज 5 खेलों में दमखम दिखाएंगे खिलाड़ी, वाटर स्पोर्ट्स में भी आजमाएंगे हाथ**

विधायक के भाई से चेन स्नेचिंग, बदमाशों की तलाश जारी

एजेंसी, पटना

पटना के पॉश इलाके कंकड़बाग में जहानाबाद के विधायक राहुल कुमार के भाई रोहित कुमार से चेन स्नेचिंग की घटना हुई है। बाइक सवार दो बदमाशों ने उनके घर से महज 100 मीटर की दूरी पर इस घटना को अंजाम दिया। यह वारदात सुबह करीब 7:46 बजे हुई, जब रोहित कुमार मॉर्निंग वॉक पर थे। घटना के बाद पीड़ित रोहित कुमार ने पुलिस गश्ती और राजधानी की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे रोहित: रोहित कुमार ने बताया कि वे प्रतिदिन की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। वे लोहिया नगर पार्क से पंचमंदिर की ओर जा रहे थे, जहां उनके आवास के पीछे पंचमंदिर स्थित है। घर लौटते समय पहले से घात लगाए बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। अचानक करीब आकर उनके गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। यह घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही बदमाश फरार हो गए। छीनी गई सोने की चेन की कीमत लगभग 3 लाख रुपए बताई जा रही है। इस दौरान रोहित के गले पर खरोंच भी आई, जिससे खून निकलने लगा। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचित किया गया। पास की एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में यह पूरी वारदात कैद हो गई है। फुटेज में हेलमेट पहने दो बाइक सवार बदमाश घटना को अंजाम देते दिख रहे हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर अपराधियों की तलाश कर रही है।

♦ **पॉश इलाके में दो बाइक सवार आए, गले से चेन खींचकर भागे**

राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज: रोहित कुमार मूल रूप से जहानाबाद के रहने वाले हैं। वह जहानाबाद के वर्तमान विधायक राहुल कुमार के भाई हैं और जेडीयू के पूर्व सांसद जगदीश शर्मा के पुत्र भी हैं। ऐसे में दिनदहाड़े हुई यह वारदात राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गई है। घटना के बाद रोहित कुमार ने पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों के परिवार के लोग ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। रोहित का आरोप है कि इलाके में नियमित पुलिस गश्ती नहीं होने के कारण बदमाशों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। सुबह के समय मॉर्निंग वॉक करने वाले लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'अपराधियों में पुलिस का डर खत्म होता जा रहा है।'

स्थानीय लोगों में डर, पुलिस पर उठे सवाल: घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि राजधानी में लगातार छिनतई, चोरी और लूट की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस अपराध रोकने में नाकाम साबित हो रही है। आरोप है कि सुबह और देर रात के समय कई इलाकों में पुलिस गश्ती नजर नहीं आती, जिसका फायदा बदमाश उठा रहे हैं। लोगों ने इलाके में गश्ती बढ़ाने और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि, मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान करने की कोशिश जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। हालांकि, इस घटना ने एक बार फिर पटना पुलिस की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

बंगाल से पेट्रोल भरवा रहे किशनगंज के लोग

4 पेट्रोल पंप बंद, पेट्रोल-डीजल 3 रुपए/ लीटर महंगा

एजेंसी, पटना

अमेरिका और ईरान की जंग के बीच देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ा दी गई है। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। शुक्रवार 15 मई, 2026 को पेट्रोलियम कंपनियों ने डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। बिहार में अब पेट्रोल की कीमत पटना में 108.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। गुरुवार तक पटना में पेट्रोल की कीमत 105.37 रुपए प्रति लीटर थी। वहीं डीजल के दाम भी बढ़े हैं अब पटना में डीजल की कीमत 94.65 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जबकि कल तक डीजल की कीमत 91.65 रुपए प्रति लीटर थी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में CNG भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। किशनगंज में 4 पेट्रोल पंप बंद होने से लोग बंगाल से तेल भरवा रहे हैं। इधर, गयाजी में पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ देखी गई। पेट्रोल-डीजल लगने के लिए वाहनों की लंबी लाइन लग गई है। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ गई है।

किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड में 4 पेट्रोल पंप बंद: किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड में 8 पेट्रोल पंप है। इसमें से 4 पंप बंद कर दिए गए हैं। यहां पर तेल-डीजल खत्म हो चुका है। अब यहां के रहवासी बंगाल में पेट्रोल भरवाने जा रहे हैं। जिले में पेट्रोल 110.26 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जिसमें 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। डीजल की कीमत 96.34 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जिसमें 3.25 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि दर्ज की गई है।

और बढ़ सकती है कीमत: पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना में एक कार्यक्रम के दौरान पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों के सावधानीपूर्वक उपयोग का सुझाव दिया था। पीएम ने कहा था कि आज समय की मांग है कि पेट्रोल, गैस और डीजल का उपयोग बहुत संयम से किया जाए। हमें आयातित पेट्रो उत्पादों का उपयोग केवल जरूरत के अनुसार ही करना चाहिए। इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी, बल्कि युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव भी कम होंगे।

19 जिलों में बारिश का अलर्ट, 24 घंटे में 41 डिग्री के साथ कैमूर सबसे गर्म

एजेंसी, पटना

बिहार में गर्मी और उमस के बीच बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने आज यानी शुक्रवार को भी 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आंधी के साथ बारिश होने और बिजली गिरने की भी संभावना है। साथ ही दोपहर बाद 50kmph की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। बीते 24 घंटे में 41.1 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ कैमूर सबसे गर्म जिला रहा। पटना में भी उमस रही। बगहा में हल्के बादल छाए रहे।

मौसम विभाग का कहना है, बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और स्थानीय मौसमीय परिस्थितियों के कारण उत्तर-पूर्व बिहार में प्री मानसून सक्रिय बना हुआ है।

पटना समेत दक्षिण बिहार में गर्मी का असर बरकरार: पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, कैमूर (भभुआ), रोहतास, औरंगाबाद, गया, अरवल, जहानाबाद, पटना, नालंदा, नवादा, बेगूसराय, शेखपुरा और लखीसराय में तेज धूप और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। दिन के समय धूप तेज रहने के कारण तापमान में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान 37 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हवा में नमी अधिक रहने के कारण लोगों को वास्तविक तापमान से ज्यादा गर्मी महसूस हो सकती है।

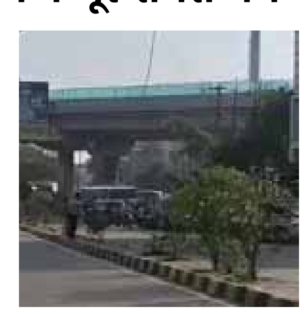

सीएम सम्राट के सेक्रेटरी लोकेश कुमार की तबीयत बिगड़ी

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सेक्रेटरी लोकेश कुमार सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें पटना के IGIMS अस्पताल में सीसीएम (ICU) में एडमिट कराया गया। डॉक्टर के मुताबिक उनका शुगर लेवल फिलहाल कम हो गया था। उनकी स्थिति अभी ठीक है और वे खतरे से बाहर हैं। शुक्रवार की सुबह उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

सीएम सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, प्रत्यय अमृत, स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि, पटना डीएम, मंगल पांडे, यशपाल मीणा और अनिमेष पाराशर समेत तमाम अधिकारी लोकेश सिंह से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। लोकेश कुमार सिंह को हाल ही में सचिवालय का सचिव नियुक्त किया है। 2003 बैच के बिहार कैडर के IAS अधिकारी लोकेश कुमार सिंह के पास 23 सालों का प्रशासनिक अनुभव है। इनकी पहचान सीधे ग्राउंड पर उतरकर समस्याओं का समाधान करने और किसी भी फाइल में कौमा से पूर्ण विराम तक पढ़ने वाले अधिकारी की है। लोकेश सिंह अपनी वर्किंग स्टाइल के चलते पहले ही सरकार के चहेते अधिकारियों की लिस्ट में शामिल हो गए थे।

मानसून से पहले मीठापुर से राजीवनगर तक जलजमाव

एजेंसी, पटना

'हमारी गली में डेढ़ फीट तक पानी भरने से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बच्चों को भी स्कूल जाने में काफी परेशानी होती है। कई बार कंप्लेन कर चुके हैं, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिला।' यह कहना है मीठापुर के स्थानीय लोगों का, जो पिछले तीन महीने से जलजमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। मानसून शुरू होने से पहले ही तेज बारिश ने पटना की सड़कों और ड्रेनेज व्यवस्था की पोल खोल दी है। कहीं सड़कें खोदी गई हैं तो कहीं गलियों में गंदा पानी जमा है। शहर के कई इलाकों में लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। राजीव नगर में तो एक दुकान में पिछली बारिश से जमा पानी अभी तक नहीं निकाला जा सका है।

मीठापुर में डेढ़ फीट तक पानी, बच्चे पॉलिथीन में ले जा रहे जूते: मीठापुर के बी एरिया नहर मोहल्ले में पिछले तीन महीने से टूटा नाला लोगों की परेशानी का कारण बना हुआ है। करीब 50 से अधिक घर जलजमाव से प्रभावित हैं। वार्ड पार्षद के घर वाली गली में ही डेढ़ फीट पानी जमा हुआ है। इस मोहल्ले में 50 से अधिक घर गंदे पानी के जलजमाव से प्रभावित है। लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है। स्कूली बच्चे पॉलिथीन में अपने जूते और मोज डालकर घर से निकलते हैं और रोड पार करके अपने जूते पहनते हैं। गाड़ी से आने जाने वाले लोगों का ड्रेनेज के खुले चैंबर में गिरने का खतरा मंडरा रहा है।

महिलाएं घरों में कैद, बीमारी का बढ़ा खतरा: मीठापुर निवासी 70 वर्षीय बीना देवी ने बताया कि, जलजमाव के कारण लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। कई घरों में पानी घुस चुका है और साग-सब्जी तक लाना मुश्किल हो गया है। वहीं, रामरती देवी ने कहा कि गंदे पानी से बदबू फैल रही है और डायरिया व वायरल बुखार जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लोग बीमार होने के बावजूद इस पानी से होकर डॉक्टर तक जाने से डर रहे हैं।

पॉलिथीन में जूते-मोजे रखकर रोड पार करते बच्चे: स्कूल जाने के दौरान बच्चों को क्या परेशानी होती है, यह जानने के लिए जब हमने एक बच्ची से बात किया। अमायरा ने बताया कि, मोहल्ले में पानी भरने के कारण मुझे अपने जूते को पॉलिथीन में भरकर रोड पार जाना पड़ता है। फिर मैं वहां अपने जूते पहनती हूं। पटना नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, मीठापुर आरओबी सह फ्लाईओवर का निर्माण के कारण कई ड्रेनेज नाले क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन सभी को ठीक करने की जिम्मेदारी पुल निर्माण निगम की है। हालांकि, नगर निगम ने कहा है कि हमें इसकी कंप्लेन मिली है। जल्द से जल्द हम पंप चलाकर पानी की निकासी करेंगे, ताकि हालत पहले से बेहतर हो।

72 घंटे में लूटकांड का खुलासा, हथियार और लूटे गए सामान के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। हरसिद्धि थाना पुलिस ने लूट और छिनतई की घटना का महज 72 घंटे के अंदर सफल उद्भेदन करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से देशी कट्टा, जिंदा गोली, लूटे गए मोबाइल, वीडियो कैमरा, बैग, चार्जर तथा घटना में प्रयुक्त अपाचे बाइक बरामद की है। जानकारी के अनुसार 11 मई 2026 की रात वीडियोग्राफर रंजन कुमार, निवासी हरसिद्धि बड़ा पकड़िया, अपने सहयोगी रंजीत कुमार के साथ संग्रामपुर थाना क्षेत्र के घुसियार से वीडियोग्राफी कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान हरसिद्धि-कोटवा थाना सीमा स्थित दामोवृति पुल के पास अपाचे बाइक पर सवार चार अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और हथियार के बल पर बाइक, वीडियो कैमरा, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान छीन लिया। घटना के बाद हरसिद्धि थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मोतिहारी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरेराज रवि कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने लगातार छापेमारी और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर घटना के 72 घंटे के भीतर चारों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने छिनतई में प्रयुक्त अपाचे बाइक, आग्नेयास्त्र, दो छीने गए मोबाइल, वीडियो कैमरा तथा अन्य सामान भी बरामद किया है। बरामद सामान में एक देशी कट्टा, एक जिंदा गोली, दो छीने गए मोबाइल, एक बैग, एक चार्जर, एक वीडियो कैमरा, घटना में प्रयुक्त एक अपाचे बाइक तथा पांच अन्य मोबाइल शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगापाकड़ निवासी विशाल कुमार (25 वर्ष), बहादुरपुर निवासी सलमान आलम उर्फ सल्लू मियां (23 वर्ष), राजापुर अहरवलिया निवासी दीपरंजन कुमार उर्फ सन्नी (20 वर्ष) तथा जगापाकड़ निवासी रूपेश कुमार (19 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार विशाल कुमार के विरुद्ध हरसिद्धि थाना में पहले से आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, परि०पु०अ०नि० बनाफल अक्षय कुमार, परि०पु०अ०नि० अविनाश कुमार, परि०पु०अ०नि० सेराज अहमद खान, सिपाही फुल कुमार, सिपाही अजय कुमार, सिपाही धीरज कुमार राणा तथा सिपाही संतोष कुमार शामिल थे। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

आंगनबाड़ी केंद्रों की बदहाल व्यवस्था उजागर, कागजों में चल रहा संचालन

» बच्चा-सहायिका गायब, पोषण और शिक्षा योजनाओं पर उठे सवाल

बीएनएम @ मोतिहारी @ श्रीनिवास कुमार

मोतिहारी। चिरैया प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में सरकारी योजनाओं की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। बॉर्डर न्यूज मिरर की पड़ताल में एक बार फिर यह खुलासा हुआ है कि कई केंद्र केवल कागजों पर संचालित हो रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। शुक्रवार को खड़तरी मध्य पंचायत के पिड़ारी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-5 का निरीक्षण किया गया। सुबह करीब 9:09 बजे केंद्र पूरी तरह बंद मिला। केंद्र पर न तो कोई बच्चा मौजूद था और न ही सेविका या सहायिका उपस्थित थीं। जबकि सरकारी अभिलेखों में केंद्र का नियमित संचालन दर्शाया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह स्थिति कोई नई बात नहीं है। केंद्र कभी-कभार ही खुलता है और अधिकांश समय बंद रहता है। इसके बावजूद बच्चों की उपस्थिति और पोषाहार वितरण कागजों में नियमित रूप से दिखाया जाता है। गौरतलब है कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और बच्चों को पोषण आहार, प्राथमिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की योजना है। लेकिन जमीनी स्तर पर लाभार्थियों तक इन योजनाओं का लाभ सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फर्जी हाजिरी बनाकर पोषाहार राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि बॉर्डर न्यूज मिरर द्वारा लगातार ऐसी खबरें प्रकाशित किए जाने के बावजूद अब तक संबंधित विभाग या प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे प्रशासनिक उदासीनता साफ नजर आ रही है और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से अविलंब जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो बच्चों के भविष्य पर इसका गहरा नकारात्मक असर पड़ेगा। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर प्रशासन कब जागेगा और बच्चों को उनके अधिकारों की सही सुविधा कब मिल पाएगी।

गन्ना किसानों की बैठक आयोजित, खेती और योजनाओं पर दी गई जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। क्षेत्र विस्तार योजना के तहत शुक्रवार को मोतिहारी प्रखंड के गजपुरा गांव स्थित ब्रह्मस्थान के समीप गन्ना किसानों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता किसान सिद्धनाथ सिंह ने की। बैठक में सहायक निदेशक कीट-विद रौशन पटेल, गन्ना प्रसार पदाधिकारी अताए वारिस, सुहैल अंसारी, जनसेवक मदन बैठा एवं रामनारायण मौजूद रहे। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई। किसानों ने बताया कि क्षेत्र विस्तार योजना के तहत लगाए गए गन्ना बीज का लगभग 90 प्रतिशत अंकुरण हुआ है और फसल की स्थिति काफी अच्छी है। किसानों ने कहा कि समय-समय पर सिंचाई, उर्वरक और दवा का उपयोग किया गया है तथा निराई-गुड़ाई का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। किसान रामनरेश सिंह ने बताया कि क्षेत्र विस्तार योजना के अंतर्गत राम सिंह छतौनी एवं गजपुरा टोला में सरकार द्वारा मुफ्त गन्ना बीज एवं वाहन खर्च की राशि उपलब्ध कराई गई है। किसानों ने मांग की कि गजपुरा एवं राम सिंह छतौनी का मैपिंग कराकर चीनी मिल द्वारा किसान कोड उपलब्ध कराया जाए, ताकि अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिल सके। वहीं किसान विजय शाह ने बताया कि गन्ना फसल में कोराजिन, विटागो एवं वोलियम फ्लेक्सी दवाओं का प्रयोग किया गया, जिससे फसल को काफी लाभ मिला है। बैठक के दौरान सहायक निदेशक कीट-विद एवं गन्ना प्रसार पदाधिकारी ने किसानों को रोग नियंत्रण, संतुलित उर्वरक उपयोग, कीट प्रबंधन तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 में अधिक से अधिक नए किसानों को योजना से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

सहयोग शिविर की तैयारियों को लेकर पीपराकोठी प्रखंड का किया गया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण द्वारा आयोजित किए जाने वाले "सहयोग शिविर" कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में सहायक निदेशक, बाल संरक्षण, मोतिहारी सह नोडल अधिकारी द्वारा पीपराकोठी प्रखंड का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। शुक्रवार को आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा सहयोग शिविर से संबंधित प्राप्त आवेदनों एवं तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान निर्देश दिया गया कि सभी लंबित आवेदनों और मामलों का निष्पादन 19 मई, मंगलवार को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर के प्रथम दिन से पहले हर हाल में पूरा कर लिया जाए। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान शिविर के सफल आयोजन को लेकर आपसी समन्वय, व्यवस्थाओं और आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की गई। सहायक निदेशक, बाल संरक्षण सह नोडल अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले लाभुकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और त्वरित रूप से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

खरीफ 2026 को लेकर उर्वरक विक्रेताओं के साथ बैठक, कालाबाजारी पर सख्त चेतावनी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। आगामी खरीफ 2026 मौसम को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में सभी थोक उर्वरक विक्रेताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारु बनाए रखने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी ने सभी थोक उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरक वितरण में जीरो टॉलरेंस नीति का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को निर्धारित दर पर समय से उर्वरक उपलब्ध कराना सभी विक्रेताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि खुदरा उर्वरक विक्रेताओं को निर्धारित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। जिला कृषि पदाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी खुदरा उर्वरक विक्रेता को उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाए। यदि ऐसी शिकायतें प्राप्त होती हैं तो संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अवैध भंडारण, उर्वरक विचलन, मुनाफाखोरी एवं कालाबाजारी को लेकर भी कड़ी चेतावनी दी गई। जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि यदि किसी थोक विक्रेता के विरुद्ध इस प्रकार की शिकायत मिलती है तो उसे चिन्हित कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम में 44 आवेदनों की हुई सुनवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में शुक्रवार को आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 44 आवेदकों की समस्याओं की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती एवं वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से फोन पर संपर्क कर प्राप्त मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों के स्तर से विधिसम्मत समाधान कराया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद तथा राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इन मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को आवेदन अग्रसारित करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी विभागों को जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

प्रो. प्रसून दत्त सिंह को मिला डिज़ाइन पेटेंट, संस्कृत शोध के डिजिटलीकरण में बड़ी उपलब्धि

डिजिटल संस्कृत पाठ अनुसंधान हेतु विकसित अभिनव उपकरण को भारत सरकार से मिला डिज़ाइन पेटेंट

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. अनिल प्रताप गिरि को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा 'डिजिटल संस्कृत पाठ अनुसंधान हेतु आँकड़ा संसाधन उपकरण' के लिए डिज़ाइन पेटेंट प्रदान किया गया है। इसे संस्कृत शोध, भारतीय ज्ञान परंपरा और डिजिटल तकनीक के समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने दोनों शिक्षाविदों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की अनुसंधान क्षमता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में यह कार्य "विकसित भारत" के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करेगा। बताया गया कि विकसित किया गया यह उपकरण संस्कृत पांडुलिपियों, ग्रंथों एवं डिजिटल पाठों के विश्लेषण को सरल, तीव्र और प्रभावी बनाएगा। इसकी सहायता से संस्कृत के डिजिटल ग्रंथों में मौजूद भाषायी प्रतिरूपों, व्याकरणिक संरचनाओं और संदर्भगत तत्वों की कम समय में खोज एवं विश्लेषण संभव हो सकेगा। इससे देश और विदेश के शोधार्थियों एवं विद्वानों को व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद है। प्रो. प्रसून दत्त सिंह लंबे समय से संस्कृत साहित्य, भारतीय ज्ञान परंपरा और शैक्षिक नेतृत्व के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत विभागाध्यक्ष, परिसर निदेशक, मुख्य अनुशासक तथा पूर्व अधिष्ठाता के रूप में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। भारतीय दर्शन, वैदिक साहित्य, संस्कृत काव्यशास्त्र और पांडुलिपि विज्ञान उनके प्रमुख शोध क्षेत्र हैं। उनके निर्देशन में कई शोधार्थियों ने विद्यावारिधि उपाधि प्राप्त की है। इसके अलावा उन्होंने अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, व्याख्यानमालाओं एवं शैक्षणिक आयोजनों का सफल संचालन किया है। उनकी कई पुस्तकें और शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं तथा वे विभिन्न शोध पत्रिकाओं के संपादन कार्य से भी जुड़े रहे हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रचिंतन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रो. सिंह को 'संस्कृत भूषण सम्मान' एवं 'सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान' सहित कई राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर दोनों विद्वानों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि यह शोध एवं तकनीकी नवाचार भारतीय भाषाओं और संस्कृत अध्ययन को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगा।

सत्तरघाट पुल के पास 100 लीटर देसी शराब बरामद, कारोबारी फरार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बीजधरी थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 100 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। हालांकि पुलिस को देखते ही शराब कारोबारी मौके से फरार होने में सफल रहे। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि सुंदरापुर दियारा से नाव के माध्यम से देसी चुलाई शराब की खेप सत्तरघाट पुल के पास उतारी जाने वाली है। सूचना के बाद पुलिस टीम दलबल के साथ सत्तरघाट पुल पहुंची और निगरानी शुरू की। इसी दौरान दो व्यक्ति सिर पर प्लास्टिक के बोरे लेकर तेजी से जाते दिखाई दिए। पुलिस बल को देखते ही दोनों व्यक्ति बोरा फेंककर भाग निकले। पुलिस द्वारा उनकी पहचान की जा रही है। पुलिस ने मौके पर छोड़े गए दोनों बोरों की तलाशी ली, जिसमें प्रत्येक बोरे से 50-50 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद हुई। इस प्रकार कुल 100 लीटर शराब जब्त की गई। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है तथा फरार शराब कारोबारियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण का राज्य नोडल अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत चल रहे मकान गणना सह मकान सूचीकरण कार्य का शुक्रवार को राज्य नोडल अधिकारी (जनगणना) पूर्वी चम्पारण आदित्य कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में चल रहे गणना कार्यों का जायजा लिया तथा अधिकारियों और प्रगणकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में पर्यवेक्षकीय सर्किल-45 के पर्यवेक्षक वसीम परवेज तथा सर्किल-43 के पर्यवेक्षक आशीष चन्द्र के अधीन कार्यरत एचएलबी-249 की प्रगणक मोनी कुमारी, एचएलबी-250 की प्रगणक अर्चना कुमारी, एचएलबी-251 की प्रगणक कुमारी निशि, एचएलबी-252 की प्रगणक रीता कुमारी, एचएलबी-260 की प्रगणक मनीषा सिंह एवं एचएलबी-262 की प्रगणक वसुन्धरा कुमारी द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। राज्य नोडल अधिकारी ने निर्देश दिया कि चार्ज क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी मकानों की गणना एवं सूचीकरण का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि किसी भी परिस्थिति में कोई भवन गणना से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने पर्यवेक्षकीय टीम को फील्ड में आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कंट्रोल रूम से लगातार संपर्क में रहने की सलाह दी। साथ ही प्रगणकों को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि जनगणना के आंकड़ों के आधार पर भविष्य में विभिन्न जनहितकारी योजनाएं तैयार की जाती हैं, जिसका सीधा लाभ आम लोगों को मिलता है। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 37 चार्ज बनाए गए हैं, जिनमें 27 ग्रामीण और 10 शहरी क्षेत्र शामिल हैं। इन चार्जों के अंतर्गत 9591 गणना ब्लॉक, 9483 प्रगणक और 1627 पर्यवेक्षक कार्य कर रहे हैं। गौरतलब है कि भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण से संबंधित मकान गणना एवं मकान सूचीकरण का कार्य 2 मई से 31 मई 2026 तक चलाया जा रहा है। राज्य नोडल अधिकारी ने आम लोगों से भी इस कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की। मौके पर जिला प्रबंधन कोषांग से गोपाल जी मिश्र, प्रिय रंजन कुमार, अमरेश कुमार एवं कमलेश कुमार सिंह मौजूद थे।

मो. सोहैल अली ने चंपारण के भूले-बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों पर किया महत्वपूर्ण शोध

» 1917 से 1942 तक के आंदोलनों में सक्रिय स्थानीय नायकों के योगदान को किया उजागर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। चंपारण के निवासी एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के छात्र मो. सोहैल अली ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में चंपारण के भूले-बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों पर एक महत्वपूर्ण लघु शोध कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस शोध का मुख्य उद्देश्य चंपारण के उन उपेक्षित स्वतंत्रता सेनानियों को सामने लाना है, जिन्हें इतिहास में अब तक उचित स्थान नहीं मिल सका है। यह शोध कार्य उन्होंने अपने मार्गदर्शक डॉ. मुन्नालाल गुप्ता के निर्देशन में पूर्ण किया। शोध के दौरान उन्होंने चंपारण क्षेत्र के कल्याणपुर, कोटवा एवं केसरिया प्रखंडों का दौरा कर लगभग 15 लोगों का साक्षात्कार लिया। इनमें स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, किसान नेता एवं ग्रामीण शामिल थे, जिनसे महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की गईं। शोध में वर्ष 1917 के चंपारण सत्याग्रह से लेकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन तक स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहे स्थानीय सेनानियों के योगदान को विस्तार से रेखांकित किया गया है। शोधकर्ता के अनुसार इन सेनानियों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया, लेकिन उन्हें इतिहास में वह पहचान नहीं मिल सकी जिसके वे हकदार थे। मो. सोहैल अली ने बताया कि इस शोध का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपने क्षेत्र के उन अनजाने नायकों से परिचित कराना है, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना है कि क्षेत्रीय इतिहास के संरक्षण और सही दस्तावेजीकरण के लिए ऐसे शोध कार्य बेहद जरूरी हैं। इस शोध कार्य को पूरा करने में इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. बालाजी चिरडे, डॉ. परिमल प्रियदर्शी एवं डॉ. राकेश कुमार मिश्रा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इसके अलावा उनके पिता मो. निजामुद्दीन अली ने भी लगातार मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया। वहीं चंपारण के समाजसेवी विनय कुमार सिंह का भी इस शोध कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह शोध न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि भूले-बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान दिलाने और समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में भी एक सराहनीय पहल है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में यह शोध चंपारण के क्षेत्रीय इतिहास के पुनर्लेखन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए उपयोगी संदर्भ सामग्री साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

अनुमंडलीय अस्पताल का एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बीएनएम @ अरेराज। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने शुक्रवार को अपराह्न करीब 5 बजे अनुमंडलीय अस्पताल, अरेराज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की आपातकालीन सेवाओं समेत विभिन्न स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में एसडीओ ने विभिन्न वार्डों का दौरा किया और भर्ती मरीजों के परिजनों से सीधे बातचीत कर अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता तथा इलाज की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। विशेष रूप से एईएस और जेई वार्ड का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वहां उपलब्ध बेड, एयर कंडीशनर, ऑक्सीजन आपूर्ति और जीवन रक्षक दवाओं के स्टॉक की बारीकी से जांच की। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि गर्मी के मौसम और संभावित बीमारियों को देखते हुए वार्डों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। एसडीओ ने अस्पताल परिसर में नवनिर्मित डायलिसिस ट्रायल रूम का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद तकनीशियनों से मशीनों के संचालन और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा उन्होंने अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण के उपरांत अनुमंडल पदाधिकारी ने अस्पताल उपाधीक्षक और प्रबंधक को अस्पताल की साफ-सफाई बनाए रखने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

शिकारपुर थाना पहुंचे एसपी शौर्य सुमन, लंबित मामलों और व्यवस्था की ली जानकारी

बीएनएम @ बेतिया। पुलिस मुख्यालय, बिहार पटना के निर्देशानुसार चलाए जा रहे "गोद लिए गए थाना" अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने शिकारपुर थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेख संधारण, लंबित कांडों की समीक्षा, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी, वारंट निष्पादन, शराबबंदी अभियान तथा अपराध नियंत्रण से संबंधित कार्यों का गहन निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने थाना पदाधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को विधि-व्यवस्था बनाए रखने, आम लोगों के साथ बेहतर व्यवहार करने तथा त्वरित एवं संवेदनशील पुलिसिंग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान थाना परिसर में आधारभूत संरचना के विकास, जनसुनवाई व्यवस्था को मजबूत करने तथा पुलिस-पब्लिक समन्वय को और बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित निष्पादन और अपराध नियंत्रण पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के समय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नरकटियागंज, शिकारपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। बेतिया पुलिस ने कहा है कि लोक व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

घर में पोछा लगाने के दौरान करंट लगने से महिला की मौत, बेटी घायल

बीएनएम @ बेतिया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पूर्वी करगहिया गांव में घर में पोछा लगाने के दौरान करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी 14 वर्षीय बेटी घायल हो गई। घायल बच्ची का इलाज जीएमसीएच बेतिया में चल रहा है। मृतका की पहचान राजीव शाह की 28 वर्षीय पत्नी रंजू देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रंजू देवी घर में पोछा लगा रही थीं। इसी दौरान घर में मौजूद बिजली की कटी हुई तार की चपेट में आने से उन्हें जोरदार करंट लग गया और वह जमीन पर गिर पड़ीं। मां को तड़पता देख उनकी छोटी बेटी निशा कुमारी उन्हें बचाने दौड़ी, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गई। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली की लाइन काटी और मां-बेटी दोनों को इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया पहुंचाया। अस्पताल में दोनों का इलाज शुरू किया गया, लेकिन देर रात इलाज के दौरान रंजू देवी की मौत हो गई। वहीं निशा कुमारी की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और उसका इलाज जारी है। घटना के समय मृतका के पति राजीव शाह मजदूरी करने गए हुए थे। सूचना मिलने के बाद वह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि फोन पर पत्नी और बेटी के करंट लगने की जानकारी मिली थी। अस्पताल पहुंचने पर उनकी बेटी का इलाज चल रहा था, जबकि डॉक्टरों ने उनकी पत्नी को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

मैत्री पुल पर पकड़ा गया सोमालियाई नागरिक, नेपाल जाने के दौरान धराया

बीएनएम @ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की बीआईटी टीम ने रक्सौल स्थित मैत्री पुल पर एक सोमालियाई नागरिक को संदिग्ध अवस्था में हिरासत में लिया है। पकड़ा गया विदेशी नागरिक बिना वैध आव्रजन दस्तावेजों के भारत से नेपाल जाने की कोशिश कर रहा था। साथ ही वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी वह तीन माह से अधिक समय से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। जानकारी के अनुसार 14 मई 2026 की सुबह करीब 9:30 बजे एसएसबी द्वारा मैत्री पुल पर नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक विदेशी नागरिक को संदेह के आधार पर रोककर पूछताछ की गई। उसकी पहचान महमद अहमद फराह, पिता- फराह अहमद तथा माता- खादरा गेदी मोहमूद, निवासी सोमालिया के रूप में हुई। जांच के लिए उसे इमिग्रेशन कार्यालय रक्सौल लाया गया, जहां उसके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में पता चला कि वह मेडिकल वीजा पर 3 दिसंबर 2025 को मुंबई एयरपोर्ट के रास्ते भारत आया था। उसके वीजा की वैधता 29 जनवरी 2026 को ही समाप्त हो चुकी थी, इसके बावजूद वह भारत में अवैध रूप से रह रहा था। पूछताछ और जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आरोपी ने भारत में रहने के लिए अपने वीजा की तारीखों में अवैध रूप से बदलाव किया था। वह लंबे समय से हैदराबाद के टोली चौकी इलाके में अपने अन्य सोमालियाई साथियों के साथ रह रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि उसने भारत में अवैध रूप से रहने के लिए शरणार्थी कार्ड भी बनवा लिया था। हालांकि भारतीय कानून के तहत आव्रजन और वीजा संबंधी मामलों में इस कार्ड को वैध यात्रा दस्तावेज नहीं माना जाता है। प्रारंभिक पूछताछ और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद एसएसबी एवं इमिग्रेशन कार्यालय ने आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरैया थाना पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी के साथ और कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा उसके नेपाल जाने के पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं थी।

15 लीटर शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, स्कूटी जब्त

बीएनएम @ अरेराज

बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए उत्पाद विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 15 लीटर अवैध चुलाई शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उत्पाद थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि विभाग को क्षेत्र में शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए अवर निरीक्षक अजीत कुमार सिंह, सिपाही आकाश राज तथा सशस्त्र बल के जवान मुकेश कुमार यादव की विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने गोविंदगंज थाना क्षेत्र के बिनवलिया देव चिमनी के समीप घेराबंदी कर एक संदिग्ध स्कूटी को रोका। तलाशी लेने पर स्कूटी से 15 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की गई। मौके से पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के रानी छपरा वार्ड संख्या-05 निवासी साधु चौधरी के रूप में हुई है। उत्पाद विभाग ने शराब के साथ तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को भी जब्त कर लिया है। उत्पाद विभाग द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ विभाग का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और किसी भी हाल में शराब तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा।

पूर्वी चंपारण में पुलिस व्यवस्था का नया मॉडल, सिटी एसपी और ग्रामीण एसपी के बीच बंटा कार्यक्षेत्र

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले की पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी, तेज और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। जिले में अब सिटी एसपी और ग्रामीण एसपी के बीच कार्यक्षेत्र का स्पष्ट बंटवारा कर दिया गया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद पुलिसिंग को दो अलग-अलग हिस्सों में विभाजित कर प्रशासनिक निगरानी और अपराध नियंत्रण को और मजबूत करने की तैयारी की गई है। नई व्यवस्था के तहत पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को सिटी एसपी के रूप में सदर मोतिहारी अनुमंडल और चकिया अनुमंडल की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों की कमान ग्रामीण एसपी के हाथों में रहेगी, जिनके अधीन अरेराज, पकड़ीदयाल, रक्सौल और सिकरहना अनुमंडल होंगे। ग्रामीण एसपी के रूप में डीआईजी हरिकिशोर राय की नियुक्ति की चर्चा तेज है। पुलिस मुख्यालय स्तर पर किए गए इस बदलाव को जिले में बढ़ती आबादी, विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र और अलग-अलग तरह की कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को ध्यान में रखकर लिया गया अहम निर्णय माना जा रहा है। खासकर सीमावर्ती क्षेत्र रक्सौल, ग्रामीण इलाकों में अपराध नियंत्रण, शराबबंदी, तस्करी, सीमा सुरक्षा और संगठित अपराध जैसे मामलों की मॉनिटरिंग को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। सिटी एसपी के जिम्मे आने वाले सदर मोतिहारी और चकिया अनुमंडल जिले के सबसे व्यस्त और संवेदनशील क्षेत्रों में माने जाते हैं। यहां शहरी गतिविधियां, राजनीतिक कार्यक्रम, व्यापारिक गतिविधियां, ट्रैफिक प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण जैसी चुनौतियां अधिक रहती हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों के लिए अलग पुलिस नेतृत्व व्यवस्था लागू होने से त्वरित कार्रवाई और बेहतर समन्वय की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं ग्रामीण एसपी के अधीन आने वाले अरेराज, पकड़ीदयाल, रक्सौल और सिकरहना अनुमंडल में सीमावर्ती अपराध, शराब तस्करी, साइबर अपराध, भूमि विवाद और ग्रामीण क्षेत्रों की कानून-व्यवस्था पर विशेष फोकस रहेगा। नेपाल सीमा से जुड़े क्षेत्रों में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की योजना भी इस नई संरचना का हिस्सा मानी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि कार्यक्षेत्र विभाजन के बाद पुलिस पदाधिकारियों की जवाबदेही स्पष्ट होगी और हर क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की अलग रणनीति बनाकर काम किया जा सकेगा। इससे मामलों के निष्पादन की गति बढ़ेगी, जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई संभव होगी और पुलिस-पब्लिक संबंध भी बेहतर होंगे। जिले में लंबे समय से पुलिस प्रशासन के विकेंद्रीकरण की मांग उठ रही थी। अब नई व्यवस्था लागू होने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था संधारण और जनसुरक्षा के क्षेत्र में पूर्वी चंपारण पुलिस को और मजबूती मिलेगी।

कस्तूरबा विद्यालय में सखी वार्ता सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ केसरिया/मोतिहारी

कस्तूरबा बालिका विद्यालय, केसरिया में शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार के तहत मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित जिला हब फॉर एमपावरमेंट ऑफ वीमेन के सौजन्य से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत सखी वार्ता सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा, बाल अधिकार और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला हेल्पलाइन-181, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, राष्ट्रीय साइबर क्राइम शिकायत नंबर-1930, लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह, दहेज प्रथा, पॉक्सो अधिनियम, घरेलू हिंसा तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित लाभकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 पर चर्चा करते हुए बताया गया कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह को रोकना है। वक्ताओं ने कहा कि लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है। इससे कम उम्र में होने वाला विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। विशेषज्ञों ने कहा कि बाल विवाह बच्चों को अच्छे स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के अधिकार से वंचित कर देता है। कम उम्र में विवाह होने से लड़कियों को हिंसा, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न का अधिक सामना करना पड़ता है। साथ ही इसका शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और भावनात्मक प्रभाव लड़के और लड़कियों दोनों पर पड़ता है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि बाल विवाह का आयोजन, प्रोत्साहन अथवा स्वीकृति देने पर कानून के तहत दो वर्ष तक की कारावास या एक लाख रुपये तक जुर्माना अथवा दोनों दंड का प्रावधान है। इसके अलावा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के उद्देश्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं तथा जिला हब फॉर एमपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यालय से लैंगिक विशेषज्ञ एवं वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

भंडार में विष्णु महायज्ञ प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण संपन्न, जालबोझी के दौरान हुए विवाद के बाद प्रशासन रहा सतर्क

बीएनएम @ पचपकड़ी

थाना क्षेत्र के भंडार गांव में आयोजित विष्णु महायज्ञ के प्रतिमा विसर्जन को लेकर उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति के बीच अंततः कार्यक्रम को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया। उल्लेखनीय है कि जालबोझी के दौरान दोनों पक्षों के बीच भारी बवाल और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिसके बाद क्षेत्र में माहौल कुछ समय के लिए गरमा गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रण में लिया और किसी भी प्रकार के टकराव को आगे बढ़ने से रोक दिया। विवाद की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रतिमा विसर्जन के लिए पहले से ही निर्धारित मार्ग तय किया गया और उसी के अनुरूप भारी पुलिस बल, दंडाधिकारी तथा स्थानीय प्रशासन की कड़ी निगरानी में विसर्जन जुलूस निकाला गया। पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई थी। प्रतिमा विसर्जन के दौरान पुलिस बल लगातार गश्त करता रहा और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल की तैनाती की गई। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए थे, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या तनाव की स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो सके। जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव और शांति के साथ भगवान विष्णु की प्रतिमा का विसर्जन किया। इस दौरान लोगों ने प्रशासन की भूमिका की सराहना की और सहयोगात्मक रवैया अपनाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जालबोझी के दौरान हुए विवाद के बाद स्थिति काफी संवेदनशील हो गई थी, लेकिन पुलिस प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और सख्त निगरानी के चलते बड़ा विवाद टल गया और पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सका। कार्यक्रम के समापन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे आपसी भाईचारा बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन की सक्रियता और सख्त निगरानी के चलते अंततः पूरा आयोजन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ और क्षेत्र में राहत का माहौल देखने को मिला।

पहाड़पुर में 88 पीस विदेशी शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार, बाइक जब्त

बीएनएम @ पहाड़पुर

शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पहाड़पुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक धंधेबाज को विदेशी शराब और बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र में शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने सरैया सेनुआर टोला में घेराबंदी कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने शैलेश कुमार, पिता प्रमोद राउत, को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक मोटरसाइकिल संख्या बीआर 05एके 4375 बरामद की गई। बाइक पर लदी 88 पीस 8 पीएम फ्रूटी (क्रेजी रोमियो) विदेशी शराब भी जब्त की गई। पुलिस ने शराब के साथ मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

"राष्ट्र के नाम मध्यस्थता 2.0" अभियान में सुलझे कई पारिवारिक विवाद

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी के तत्वावधान में जिला मध्यस्थता केंद्र द्वारा आयोजित "राष्ट्र के नाम मध्यस्थता 2.0" अभियान के अंतिम दिन कई पारिवारिक विवादों का सफलतापूर्वक समाधान कराया गया। अभियान के तहत दो बिछड़े दंपत्तियों के बीच आपसी सुलह और सामंजस्य स्थापित कर उनके दांपत्य जीवन को पुनः बहाल कराया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रेशमा वर्मा तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी के प्रयासों से चकिया निवासी अजय कुमार एवं आकांक्षा कुमारी तथा बंजारिया थाना क्षेत्र के रोहिणिया निवासी प्रियंका कुमारी एवं राजेश कुमार के बीच करीब दो वर्षों से लंबित वैवाहिक विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान कराया गया। दोनों पक्षों ने आपसी मतभेद भुलाकर पुनः साथ रहने का निर्णय लिया, जिससे दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। अभियान के तहत 250 से अधिक पुराने पारिवारिक मामलों का भी सफल निष्पादन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस पहल से कई परिवारों में फिर से खुशियां लौटी हैं। मध्यस्थगण विमलेश्वर नाथ तिवारी, बिनोद कुमार राव, अशोक कुमार पाण्डेय, रमाकांत पाण्डेय एवं ऋषि राज ने भी विभिन्न मामलों में मध्यस्थता कर विवादों का समाधान कराया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी ने सभी मध्यस्थों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यस्थता समाज में सौहार्द और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। अभियान की सफलता में कार्यालय कर्मी राजेश कुमार प्रसाद, सहायक रौशन कुमार एवं निरंजन कुमार सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्वास्थ्य उपकेंद्रों की बदहाली उजागर, ताले बंद मिले केंद्र; डॉक्टर गायब, मरीज परेशान

बॉर्डर न्यूज मिरर की पड़ताल, कई जगह बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव

बीएनएम @ मोतिहारी

चिरैया प्रखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था की हकीकत उस समय सामने आई जब बॉर्डर न्यूज मिरर की टीम ने अलग-अलग स्वास्थ्य उपकेंद्रों का जमीनी पड़ताल किया। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने का दावा कर रही है, लेकिन धरातल पर कई स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बदहाल मिली। कहीं केंद्र बंद मिला तो कहीं डॉक्टर और एएनएम अनुपस्थित पाए गए। कई जगह बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव दिखा। गुरुवार को सबसे पहले टीम जब मिश्रौलिया स्वास्थ्य उपकेंद्र पहुंची तो सुबह करीब 10:02 बजे केंद्र पूरी तरह बंद मिला। केंद्र पर न तो कोई स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे और न ही मरीजों के इलाज की कोई व्यवस्था दिखाई दी। ग्रामीणों ने बताया कि अक्सर केंद्र समय पर नहीं खुलता, जिससे दूर-दराज से आने वाले मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ता है। लोगों का कहना है कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जिम्मेदार कर्मियों की लापरवाही से आम लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। इसके बाद बेलघाट स्वास्थ्य उपकेंद्र का निरीक्षण किया गया, जहां सुबह 10:58 बजे केंद्र खुला मिला, लेकिन डॉक्टर अनुपस्थित थीं। केंद्र पर मरीजों के लिए शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव दिखा। भवन भी काफी जर्जर स्थिति में नजर आया। दीवारों में दरारें और परिसर की बदहाली मरीजों की उपेक्षा की कहानी बयां कर रही थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ। वहीं सरौगढ़ पंचायत अंतर्गत गोरैया बाबा मंदिर स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र में केवल सीएचओ मौजूद थीं, जबकि एएनएम और डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए। मरीजों ने बताया कि डॉक्टर के नहीं रहने से सही इलाज और सलाह नहीं मिल पाती। कई बार गंभीर मरीजों को निजी क्लीनिक का सहारा लेना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। खोड़ा उप स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति भी बेहद चिंताजनक मिली। दोपहर 12:35 बजे केंद्र बंद पाया गया। इलाज कराने पहुंचे मरीजों को वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी केवल कागजों पर व्यवस्था सुधारने का दावा करते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि चिरैया प्रखंड के स्वास्थ्य उपकेंद्रों की नियमित जांच कर दोषी कर्मियों पर कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। इस संबंध में चिरैया पीएचसी प्रभारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है और कार्य-स्थितियां बिगड़ी हैं। नतीजा बढ़ती श्रमिक अशांति है। भारत में 2025 में श्रमिकों के लिए कम कामकाजी घंटे उपलब्ध हुए। यह तथ्य ताजा आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से सामने आया है। इस हाल के निहितार्थ दूरगामी हैं। बारीक नजर डालें, तो मालूम पड़ेगा कि विभिन्न हिस्सों में इस समय दिख रही श्रमिक अशांति से लेकर एफएमसीजी (यानी तेल-साबुन जैसी रोजमर्रा उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली) कंपनियों पर बढ़ते दबाव के पीछे इसकी भूमिका है। एक खबर के मुताबिक इक्विटी निवेशक भारत की एफएमसीजी कंपनियों से मुंह मोड़ रहे हैं। यानी उन्हें नहीं लगता कि इन कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में स्वस्थ बढ़ोतरी होगी। इस बढ़ोतरी का संबंध आम जन की आमदनी और उपभोग से है, जबकि आमदनी बढ़ने की गुंजाइशें सिकुड़ रही हैं। पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। भारत की श्रम शक्ति में 56 फीसदी हिस्सा स्वरोजगार कर्मियों का है। जनवरी- दिसंबर 2025 की अवधि में ऐसे कर्मियों को उपलब्ध काम के घंटों में सबसे बड़ी गिरावट आई। जुलाई 2018 से जून 2019 के बीच ऐसे कर्मियों को हफ्ते में औसतन 46.6 घंटे का काम मिल जाता था। मगर पिछले वर्ष ये औसत 39.6 घंटे प्रतिशत रहा। दिहाड़ी और वेतनभोगी कर्मियों के कामकाजी घंटे क्रमशः 43.1 और 50.2 से घटकर 41.2 और 48.8 घंटे रह गए। स्पष्टतः इन सबकी औसत आमदनी घटी। नई परिभाषा के तहत घरेलू कार्य में मददगार परिजनों को भी कामकाजी माना जाता है।
गांवों में ज्यादातर महिलाएं इस दायरे में आती हैं। उनके कामकाजी घंटे 2018-19 के 38.2 घंटों की तुलना में पिछले साल 32.6 घंटे रह गए। नतीजतन, शहरों की तरफ पलायन के रूप में हुआ है, जबकि वहां भी अवसर घटे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है। अतः कंपनियों में उनसे न्यूनतम वेतन पर 12 घंटे तक काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद जब रोजमर्रा की जरूरतें पूरी नहीं होतीं, तो नोएडा जैसे हालात बनते हैं। इस कारण मांग और उपभोग भी गिरता है, तो कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है। भारत में ये दुश्चक्र गंभीर होता जा रहा है।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

(अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस-15 मई, 2026)

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे "अहिंसा की प्रयोगशाला" बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि "वसुधैव कुटुम्बकम्" की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाता है; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृप्रतिस्पर्धा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है। देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं। यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे "विफलता" नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा। कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए।

सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि "देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं" वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता। सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है।

विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी "विफल प्रधानमंत्री" कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है। भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले। आपको किसी निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप किसी धार्मिक स्थान की यात्रा करेंगे। इस दौरान आप अपनी सेहत का ध्यान रखें।

वृष राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका काफी दिनों से रुका काम पूरा होगा जिससे आपको राहत महसूस होगा। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है,जल्द ही आप करियर में नया मुकाम हासिल होगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नये लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज आपके ऑफिस में काम को लेकर विरोधी आपकी शिकायत कर सकता है। किसी नयी तकनीक को अपनाने से आपके व्यापार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ आप डिनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे।

कर्क राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज कुछ लोग आपसे किसी काम के लिए मदद मांग सकते हैं। परिवार में आपके गुणों की तारीफ हो सकती है। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी सेवारत व्यक्तियों को जरूरी यात्रा करनी पड़ सकती है। अगर आप किसी नए काम की शुरुआत करने जा रहे हैं तो काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपको किसी तरह के कानूनी मामले में दोस्तों की मदद मिलेगी। जिससे दोस्तों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। आज करियर के मामले में चीज़ें बेहतर होने के आसार हैं। आज सेहत के प्रति आपको सतर्क रहने की जरूरत है। फास्ट फूड खाने से आपको बचना चाहिए।

कन्या राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी विशेष काम की ओर आपका झुकाव हो सकता है, आप अपना पूरा दिन पसंदीदा काम करके गुजारेंगे। आज आप परिवार वालों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे, जिसमें आप काफी हद तक सफल भी होंगे। आपको काम में कुछ नये लोगों के साथ साझेदारी करने का मौका मिल सकता है। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा।

तुला राशि:आज का दिन आपके लिए कुछ नया अनुभव लेकर आएगा। आज आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी। आज ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा रहेगी, लेकिन शाम तक सारा काम अच्छे से निपट जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम को करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ कमाने का है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

धनु राशि: आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज जीवनसाथी के साथ आप मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आज कार्यक्षेत्र में लोगों से हर तरह का सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से रुका हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आपको अचानक कुछ ऐसा हासिल हो सकता है।

मकर राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको एक नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी खुशी होगी। आज की शाम परिवार वालों के साथ बितायेंगे, जिससे पारिवारिक जीवन खुशहाल बनेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, साथ ही आज आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज किसी जरूरी काम में आपको भाई-बहनों का सपोर्ट मिलेगा। अपने परिवार वालों के साथ आप कुछ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। करियर में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं। आज आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचना चाहिए और आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरूरत है।

अपराधियों के बेखौफ होते कदम और कानून व्यवस्था की चुनौती के बीच घिरता सूरत

मनोज कुमार अग्रवाल

गुजरात लंबे समय से देश के सबसे विकसित और सुरक्षित राज्यों में गिना जाता रहा है। उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार के कारण इस राज्य की पहचान एक मजबूत आर्थिक केंद्र के रूप में बनी है। खासतौर पर सूरत को देश की डायमंड और टेक्सटाइल राजधानी कहा जाता है, जहां करोड़ों रुपए का कारोबार प्रतिदिन होता है। लेकिन अब यही सूरत बढ़ते अपराधों के कारण चिंता का विषय बनता जा रहा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट ने जिस तरह गुजरात में अपराधों की बढ़ती संख्या को सामने रखा है, उसने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आंकड़े बताते हैं कि राज्य में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और अपराधियों में पुलिस का डर कम होता दिखाई दे रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में वर्ष 2024 के दौरान 6.15 लाख से अधिक अपराध दर्ज किए गए। यह संख्या पिछले दो वर्षों की तुलना में करीब 18 प्रतिशत अधिक है। राज्य में शराबबंदी लागू होने के बावजूद शराब और ड्रग्स से जुड़े मामलों की संख्या सबसे ज्यादा दर्ज की गई है। कुल अपराधों में लगभग 58 प्रतिशत मामले शराब और नशे से संबंधित हैं। यह स्थिति बताती है कि प्रतिबंध होने के बाद भी अवैध कारोबार खुलेआम जारी है और अपराधी नेटवर्क मजबूत होता जा रहा है। राज्य में हिंसक अपराधों की बढ़ती संख्या सबसे अधिक चिंता पैदा करती है। हत्या, हत्या की कोशिश, मारपीट और गंभीर हमलों जैसे मामलों में एक वर्ष के भीतर 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2024 में गुजरात में 999 लोगों की हत्या हुई। यह केवल आंकड़ा नहीं बल्कि कानून व्यवस्था के कमजोर होते ढांचे का संकेत है। यदि किसी राज्य में अपराधी खुलेआम हत्या करने से नहीं डर रहे हैं तो इसका सीधा अर्थ है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम हो चुका है। सूरत की स्थिति इस संदर्भ में और भी गंभीर दिखाई देती है। देश के बड़े शहरों में अपराध के मामलों में सूरत तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है। शहर में लगभग 63 हजार अपराध दर्ज हुए हैं। हत्या, लूट, हमला, चोरी, दुष्कर्म और अवैध गतिविधियों के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। पांडेसरा, उधना और लिम्बायत जैसे क्षेत्रों में हर महीने हत्या और हमले की घटनाएं सामान्य होती जा रही हैं। स्थानीय लोगों के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। कई मामलों में अपराधी खुलेआम वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। इससे आम नागरिकों का भरोसा कमजोर पड़ता है। सूरत केवल एक सामान्य शहर नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला औद्योगिक केंद्र है। यहां लाखों मजदूर और व्यापारी काम करते हैं। डायमंड उद्योग और टेक्सटाइल कारोबार से जुड़े करोड़ों रुपए हर दिन बाजार में घूमते हैं। ऐसे शहर में यदि अपराध बढ़ते हैं तो उसका असर सीधे व्यापारिक माहौल पर पड़ता है। निवेशक और व्यापारी सबसे पहले सुरक्षा और स्थिरता देखते हैं। यदि शहर में लगातार हत्या, हमला और गैंग गतिविधियां बढ़ेंगी तो इसका प्रभाव उद्योग और रोजगार पर भी पड़ेगा। शहर में अपराध बढ़ने के पीछे कई कारण दिखाई देते हैं। तेजी से बढ़ती आबादी, बाहरी राज्यों से आने वाले श्रमिकों की बड़ी संख्या, बेरोजगारी, नशे का फैलता कारोबार और स्थानीय स्तर पर सक्रिय असामाजिक तत्व अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं। कई क्षेत्रों में अवैध शराब और ड्रग्स का नेटवर्क युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहा है। पुलिस कार्रवाई होने के बावजूद अपराधी गिरोह दोबारा सक्रिय हो जाते हैं। इससे यह धारणा बनती है कि अपराधियों के खिलाफ कठोर और लगातार कार्रवाई की कमी है। एनसीआरबी की रिपोर्ट में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है। महिलाओं के खिलाफ हजारों मामले दर्ज हुए, लेकिन बहुत कम मामलों में अंतिम फैसला आया। जब अपराधियों को सजा मिलने में लंबा समय लगता है तो अपराध का डर कम हो जाता है। यही कारण है कि कई अपराधी कानून की कमजोर प्रक्रिया का फायदा उठाकर बच निकलते हैं। महिलाओं की सुरक्षा किसी भी समाज की सभ्यता का पैमाना होती है। यदि महिलाएं सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी तो विकास के सारे दावे कमजोर पड़ जाएंगे। साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन धोखाधड़ी, बैंक फ्रॉड, फर्जी लिंक और डिजिटल ठगी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। अपराधी अब तकनीक का इस्तेमाल करके लोगों को निशाना बना रहे हैं। दूसरी ओर पुलिस और जांच एजेंसियों के सामने तकनीकी संसाधनों और विशेषज्ञों की कमी भी चुनौती बनी हुई है। आने वाले समय में साइबर अपराध कानून व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

राज्य में चोरी और लूट के मामलों ने भी चिंता बढ़ाई है। पिछले 12 वर्षों में हजारों करोड़ रुपए का माल चोरी हुआ लेकिन उसका केवल एक चौथाई हिस्सा ही बरामद हो सका। यह स्थिति पुलिस जांच और रिकवरी सिस्टम की कमजोरी को दर्शाती है। जब चोरी का माल वापस नहीं मिलता तो पीड़ित व्यक्ति का विश्वास टूटता है। अपराधियों को भी लगता है कि वे आसानी से बच सकते हैं। आत्महत्या के आंकड़े भी समाज की गंभीर स्थिति को उजागर करते हैं। बेरोजगारी, करियर का दबाव, पारिवारिक समस्याएं और बीमारी के कारण हजारों लोगों ने आत्महत्या की। यह केवल मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक दबाव का संकेत भी है। जब युवा रोजगार और भविष्य को लेकर निराश होते हैं तो समाज में अस्थिरता बढ़ती है। ऐसी परिस्थितियों में अपराध का वातावरण भी मजबूत होता है।

सूरत जैसे शहर में पुलिस की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। लोगों के बीच यह भावना बननी चाहिए कि कानून सबसे ऊपर है और अपराध करने वालों को किसी भी स्थिति में छोड़ा नहीं जाएगा। इसके लिए पुलिस को अधिक सक्रिय, आधुनिक और सख्त बनना होगा। संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त, सीसीटीवी निगरानी, नशे के कारोबार पर कठोर कार्रवाई और हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है। केवल अपराध दर्ज करना पर्याप्त नहीं है बल्कि अपराध रोकना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ाना भी आवश्यक है। कई बार लोग डर या अविश्वास के कारण शिकायत दर्ज नहीं कराते। यदि स्थानीय पुलिस जनता से संवाद बढ़ाए और त्वरित कार्रवाई करे तो अपराध पर नियंत्रण संभव है। मोहल्ला स्तर पर निगरानी समितियां, व्यापारिक संगठनों के साथ समन्वय और युवाओं के लिए जागरूकता अभियान भी प्रभावी साबित हो सकते हैं। राज्य सरकार को भी यह समझना होगा कि केवल विकास परियोजनाएं और बड़े निवेश ही पर्याप्त नहीं हैं। यदि कानून व्यवस्था कमजोर होगी तो विकास की गति भी प्रभावित होगी। सुरक्षित वातावरण किसी भी विकसित समाज की पहली शर्त होता है। गुजरात की पहचान उद्योग और शांति से रही है। इसलिए अपराध की बढ़ती घटनाओं को सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सूरत में हर महीने होने वाली हत्याएं और हमले इस बात का संकेत हैं कि अपराधियों में पुलिस का डर कम हो रहा है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : पाटीदार

एजेंसी, मुम्बई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये। उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है। इसके अलावा, टीम वेंकटेश अय्यर को पारी की शुरुआत का अवसर दे सकती है क्योंकि वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स सलामी बल्लेबाज रहे हैं। एक और संभावना यह है कि देवदत्त पडिक्कल को विराट कोहली के साथ ओपनिंग पर भेजा जाए और नंबर-3 पर वेंकटेश अय्यर या रजत पाटीदार को बल्लेबाजी के लिए उतारा जाए। हालांकि, सॉल्ट की आरसीबी के लिए सबसे पसंदीदा विकल्प होगा, जो टीम को प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती देगा।

अश्विन ने डीआरएस के डेड बॉल नियम को बदलने की मांग की

एजेंसी, चेन्नई

पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम की हार के बाद एक बार फिर निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के डेड बॉल नियम पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार इसी नियम का नुकसान पंजाब को हुआ है। अश्विन के अनुसार इस नियम को तत्काल बदल दिया जाये।

इस मैच में पंजाब की पारी के अंतिम ओवर में मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की आखिरी गेंद विष्णु विनोद के पैड पर डाली, जिस पर मैदानी अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट करार दे दिया। विनोद ने तत्काल रिव्यू लेने का फैसला किया, और टीवी अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर के फैसले को पलट दिया, जिससे विनोद को नॉट आउट घोषित किया गया। हालांकि, अंपायर द्वारा आउट दिए जाने के बाद गेंद को डेड घोषित कर दिया गया था, जिसके चलते पंजाब किंग्स को लेग-बाय का एक भी रन नहीं दिया गया। अश्विन ने इसी डेड बॉल नियम की व्याख्या पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जो उनके अनुसार टीम को अनावश्यक नुकसान पहुंचाता है।

इस घटना से नाराज रविचंद्रन अश्विन ने सोशल मीडिया पर इस नियम को कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, गलत फैसले की वजह से पंजाब को एक रन का नुकसान हुआ और इस नियम को जल्द से जल्द बदलना चाहिए।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

एजेंसी, लिस्बन

पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है।

यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है।

बिजनेस

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली मजबूती के साथ हुई । हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए गिर कर लाल निशान में भी आए, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से इन दोनों सूचकांकों ने रिकवरी कर दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीएमपीवी, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया और टीसीएस के शेयर 5.28 प्रतिशत से लेकर 2.01 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एटरनल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और अडानी इंटरप्राइजेज 1.89 प्रतिशत से लेकर 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,618 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,479 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,139 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर नौ शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 98.38 अंक की मामूली मजबूती के साथ 75,497.10 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक गिर कर लाल निशान में 75,251.15 अंक के स्तर तक आ गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। हालांकि बीच-बीच में बिकवाली के मामूली झटके भी लगते रहे। इसके बावजूद इस सूचकांक की रफ्तार लगातार बनी रही। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 345.45 अंक की बढ़त के साथ 75,744.17 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 41.80 अंक उछल कर 23,731.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जने के कारण यह सूचकांक फिसल कर लाल निशान में 23,663.35 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बड़ी गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, सर्राफा बाजार में चांदी गिरावट का शिकार हो गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोना के विपरीत चांदी आज शुरुआती कारोबार के दौरान 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ खत्म हुआ किम्बर्ली प्रक्रिया अंतरसत्रीय सम्मेलन

एजेंसी, मुंबई

भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय सम्मेलन का प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ समापन हो गया। इस अंतरसत्रीय सम्मेलन में प्राकृतिक हीरा व्यापार में पारदर्शिता, शासन और परिचालन सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय बैठक में प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य से जुड़े विषयों पर केपी प्रतिभागियों, पर्यवेक्षकों, उद्योग हितधारकों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने चार दिनों तक एक मंच पर विचार-विमर्श किया। भारत की अध्यक्षता के मुख्य विषय, विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास (3सी) के तहत आयोजित इस चार-दिवसीय बैठक का मुख्य ज़ोर वैश्विक प्राकृतिक हीरा व्यापार के भीतर पारदर्शिता, सुशासन और परिचालन तंत्र को मज़बूत करने पर था। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अंतरसत्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर कहा कि भारत, हीरा तराशने और पॉलिश करने के मामले में विश्व के अग्रणी केंद्र के साथ-साथ प्राकृतिक हीरों को विश्वास, जिम्मेदारी और साझा समृद्धि का प्रतीक बनाए रखने में केपी की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में, देश विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास (3सी) को बढ़ावा देने और तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक बाजार में केपी की प्रासंगिकता को मजबूत करने के लिए सभी प्रतिभागियों और हितधारकों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। किम्बर्ली प्रक्रिया प्रमाणन योजना, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प 55/56, 2000 के अंतर्गत स्थापित किया गया है, एक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य संघर्ष क्षेत्रों वाले हीरों को वैध व्यापार में प्रवेश करने से रोकना और प्राकृतिक हीरे की आपूर्ति श्रृंखला में जिम्मेदार स्रोत को बढ़ावा देना है। हीरा काटने और पॉलिश करने के एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में, भारत ने किम्बर्ली प्रक्रिया के उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और प्राकृतिक हीरा क्षेत्र में पारदर्शिता, स्थिरता और जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए संतुलित कदम: खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की दिशा में संतुलित कदम बताया है। यद्यपि इस निर्णय से उपभोक्ताओं पर कुछ अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा, लेकिन इसे मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

खंडेलवाल ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के बाजार में भारी अस्थिरता उत्पन्न हुई है, जिससे इसकी कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी चुनौतियां सामने आई हैं। भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव घरेलू ईंधन व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि एक संतुलित, व्यावहारिक और जिम्मेदार निर्णय प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखना तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। यदि लंबे समय तक ईंधन कीमतों को कृत्रिम रूप से नियंत्रित रखा जाए, तो इससे सरकारी वित्तीय व्यवस्था और तेल विपणन कंपनियों पर अत्यधिक दबाव पड़ सकता है, जिसका व्यापक प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए ईंधन कीमतों को संतुलित रखने का प्रयास किया है तथा समय-समय पर राहत भी प्रदान की है।

आयकर विभाग ने जारी किए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटी फॉर्म

एजेंसी, नई दिल्ली । आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-2026 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के एक्सेल यूटिलिटीज फॉर्म जारी कर दिए हैं। इनकम टैक्स देने वाले करदाता अब अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। टैक्सपेयर्स अब आयकर विभाग की आधिकारिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न डाउनलोड और फाइल कर सकते हैं। विभाग के मुताबिक वेतनभोगी और छोटे व्यवसायी 31 जुलाई तक अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। हालांकि, बजट 2026-27 में हुए नए बदलावों के अनुसार छोटे व्यवसायी और फ्रीलांसर (जिनके खातों का ऑडिट नहीं होता) अपना आईटीआर 31 अगस्त तक फाइल कर सकते हैं।आयकर के जानकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अमित रंजन ने बताया कि आयकर विभाग ने इन फॉर्मों में कुछ बदलाव किए हैं। अब उसकी यूटिलिटी को अपलोड कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब ये फॉर्म लाइव हो गए हैं। अब करदाता अपना आईटीआर फाइल कर सकते हैं। आयकर रिटर्न (आईटीआर) एक फॉर्म के माध्यम से करदाता अपनी आय, कटौतियों और कर देयता को आयकर विभाग के सामने उजागर करते हैं। इसे प्रत्येक वित्त वर्ष की 31 जुलाई तक दाखिल करना अनिवार्य है।

भ्रामक विज्ञापनों के लिए दो कोचिंग संस्थानों पर लगा 15 लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने जेईई और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के नतीजों को लेकर गुमराह करने वाले विज्ञापनों के लिए दो कोचिंग संस्थानों पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने मोशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ अंतिम आदेश पारित करते हुए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जबकि करियर लाइन कोचिंग (सीएलसी), सीकर के खिलाफ 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सीसीपीए की ओर से यह कार्रवाई भ्रामक विज्ञापन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन में लिप्त पाए जाने पर की गई है। सीसीपीए ने कहा कि इन दोनों संस्थानों की ओर से प्रकाशित कराये गए विज्ञापनों में उन कोर्सों के बारे में अहम जानकारी छिपाई गई थी, जिनकी सफलता की कहानियों को उनके प्रचार सामग्री में प्रमुखता से दिखाया गया था। सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा द्वारा पारित आदेशों में दोनों संस्थानों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। वे अनुचित व्यापार प्रथाओं और उपभोक्ताओं के अधिकारों के हनन के दोषी पाए गए। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की ओर से यह निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों को एक वर्ग के रूप में संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए तथा यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है, ताकि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के उल्लंघन में किसी भी वस्तु या सेवा के संबंध में कोई भी झूठा या भ्रामक विज्ञापन न दिया जाए।

सनी हिंदुजा अभिनीत सर्वाइवल थ्रिलर वेब सीरीजविमल खन्ना का ट्रेलर आउट

15 मई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होगी स्ट्रीम

स सनी हिंदुजा अभिनीत सर्वाइवल थ्रिलर वेब सीरीज विमल खन्ना का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया। यह सीरीज एक ऐसे अकाउंटेंट की कहानी है, जो अपने भाई की हत्या के झूठे आरोप के बाद अपनी पहचान बदलकर जीवित रहने के लिए संघर्ष करता है। ट्रेलर एक जबरदस्त सर्वाइकल थ्रिलर पर आधारित है, जिसमें विमल खन्ना लगातार भागता नजर आता है। कहानी में वह धोखे, फरेब और जान बचाने के एक खतरनाक जाल में धीरे-धीरे फंसता चला जाता है। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, कई राज खुलते हैं और छिपे हुए इरादे सामने आने लगते हैं। ऐसे में एक सवाल बार-बार उठता है, क्या विमल खन्ना बच पाएगा या नहीं? क्या उसे इस मुश्किल से निकलने का कोई रास्ता मिलेगा या वह और भी फंसता जाएगा? इसकी कहानी एक ऐसी दुनिया दिखाती है, जहां शक, धोखा, बदलती वफादारियां और किसी भी कीमत पर बचने की कोशिश हर तरफ फैली हुई हैं। अभिनेता सनी हिंदुजा ने फिल्म और अपने किरदार को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया, अमेजन एमएक्स प्लेयर के साथ विमल खन्ना पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभवों में से एक रहा। विमल कोई आम हीरो नहीं है, बल्कि वह साधारण इंसान है, जिसे असाधारण परिस्थितियों में धकेल दिया जाता है, जहां जिंदा रहना ही उसकी फितरत बन जाती है। जिस बात ने मुझे इस किरदार की ओर खींचा, वह है उसका अंदरूनी संघर्ष, अपनी पहचान बनाए रखने और उस सिस्टम के हिसाब से ढलने के बीच लगातार चलने वाली जद्दोजहद, जो उसके खिलाफ काम कर रहा है। एक कहावत है, ये अलग मिट्टी का बना है, जो विमल और उसकी यात्रा पर एकदम सटीक बैठती है, और यही बात उसे एक ही समय पर कमजोर और ताकतवर दोनों बनाती है। मशहूर लेखक सुरेंद्र मोहन पाठक ने सीरीज को लेकर कहा, विमल खन्ना एक ऐसा किरदार है, जिससे पाठक वर्षों से जुड़ाव महसूस करते आए हैं और उसकी यात्रा हमेशा एक ऐसी दुनिया में रास्ता बनाने के बारे में रही है, जो लगातार उसकी पहचान और अस्तित्व को चुनौती देती रहती है। इस कहानी को पर्दे पर साकार होते देखना मेरे लिए रोमांचक और सार्थक दोनों ही है। सीरीज को लेकर मैं बहुत

उत्साहित हूं। सुरेंद्र मोहन पाठक के मशहूर यूनिवर्स द विमल सीरीज पर आधारित इस ड्रामा में सनी हिंदुजा, ईशा तलवार और तारा अलीशा बेरी जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह सीरीज 15 मई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म हीर सारा और पुडुचेरी का ट्रेलर जारी पत्रलेखा और मानवी गागरू आईं साथ

राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा को आखिरी बार उनकी फिल्म टोस्टर में देखा गया था। अप्रैल, 2026 में रिलीज इस फिल्म में अभिनेत्री कुछ मिनट का कैमियो किया था, जिसने खूब चर्चा बटोरी। अब पत्रलेखा अपनी नई फिल्म हीर सारा और पुडुचेरी के जरिए दर्शकों के बीच लौट रही हैं। इसमें उनके साथ मानवी गागरू भी मुख्य किरदार में हैं। कार्तिक चौधरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का ट्रेलर और रिलीज तारीख जारी कर दी गई है।

हीर सारा और पुडुचेरी के नाम से पता चलता है कि फिल्म एक रोमांचक सफर पर आधारित होगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि 2 अलग-अलग ख्यालातों वाली लड़कियां सोलो ट्रिप के लिए पुडुचेरी निकल पड़ती हैं। उनकी जिंदगी की उलझनें भी ट्रेलर में दिखती हैं। फिल्म दोस्ती, उपचार और आत्म-खोज की कहानी बयां करती है। एक ओर जहां वो ट्रिप पर एंजॉय करती हैं और नई-नई चीजों को एक्सप्लोर करती हैं। वहीं दूसरी ओर उनकी पर्सनल लाइफ में अपनी अलग-अलग परेशानियां हैं, जिनकी भी झलक ट्रेलर में देखने को मिलती है। कार्तिक चौधरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पत्रलेखा और मानवी के अलावा श्वेता साल्वे, आरिफ जकारिया, निशांक नूर और बंटी चोपड़ा भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। 'हीर सारा और पुदुचेरी भी 29 मई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। श्वेता साल्वे, आरिफ जकारिया, निशांक नूर और बंटी चोपड़ा भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शोर से दूर रहकर ही कलाकार बेहतर काम कर सकते हैं, सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर रकुल प्रीत सिंह का बयान

आ आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए। रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है। उन्होंने आगे कहा, कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।

रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा, मानसिक रूप से मजबूत रहना आज के समय में कलाकारों के लिए बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि हर अभिनेता को अपने चारों ओर एक दीवार बनानी चाहिए, ताकि बाहरी नकारात्मकता सीधे उनके काम पर असर न डाल सके। कभी-कभी सोशल मीडिया से दूरी बनाना और ब्लाइंडर्स लगाकर सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना ही सही तरीका होता है।

भूत बंगला ने 26वें दिन की धमाकेदार कमाई

अक्षय कुमार की भूत बंगला बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म ने 160 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म को पहले दिन से ही शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. आइए जानते हैं फिल्म ने 26वें दिन कितनी कमाई की है. सैकनिल्क के मुताबिक, भूत बंगला ने चौथे मंगलवार को 1.60 करोड़ कमाए हैं. फिल्म को 4 हजार शोज मिले हैं. वहीं फिल्म को 16 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म का टोटल कलेक्शन 161.70 करोड़ कमा लिए हैं. फिल्म ने पेड प्रिव्यू में 3.75 करोड़ कमाए. फिल्म ने पहले दिन 12.25 करोड़ कमाए. दूसरे दिन 19 करोड़, तीसरे दिन 23 करोड़, चौथे दिन 6.75 करोड़, पांचवें दिन 8 करोड़, छठे दिन 6.15 करोड़, सातवें दिन 5.50 करोड़ कमाए. फिल्म ने पहले हफ्ते में 84.40 करोड़ का बिजनेस किया. वहीं फिल्म ने आठवें दिन 5.75 करोड़, नौवें दिन 10.75 करोड़, दसवें दिन 12.50 करोड़, 11वें दिन 3.5 करोड़, 12वें दिन 4.3 करोड़, 13वें दिन 3.4 करोड़ और 14वें दिन 3.5 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ने दूसरे हफ्ते में 43.75 करोड़ कमाए. तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 21.85 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में हैं. वहीं प्रियदर्शन ने फिल्म को डायरेक्ट किया है. अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी फैंस को खूब एंटरटेन करती है. उन्होंने साथ में हेरा फेरी, गरम मसाला, भागम भाग जैसी फिल्में की हैं. सभी फिल्मों को बहुत प्यार मिला.

वेलकम टू द जंगल से सामने आया अक्षय कुमार का फर्स्ट लुक, फैंस को पसंद आया अभिनेता का अंदाज

अ अक्षय कुमार फिर से अपने मजेदार अंदाज में वापस आ गए हैं। फिल्म वेलकम टू द जंगल का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर छा गया है। इसमें अक्षय कुमार बहुत स्टाइलिश और दमदार दिख रहे हैं। जानें फैंस को कैसा लगा अक्षय कुमार का नया कॉमिक लुक? निर्माताओं के अलावा अक्षय कुमार ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वेलकम टू द जंगल का पहला पोस्टर शेयर किया है। वेलकम टू द जंगल के नए पोस्टर में अक्षय अपने स्टाइलिश कॉमिक लुक में जंगल के बीच में रेड कार्पेट पर चलते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। इस खास पोस्टर के साथ अक्षय ने कैप्शन में लिखा, अगली फिल्म वेलकम टू द जंगल। फिल्म वेलकम टू द जंगल एक

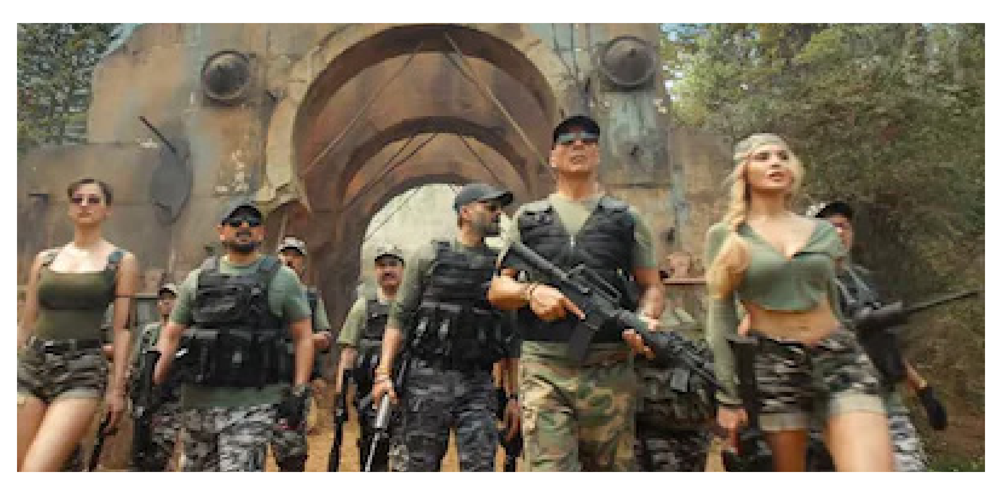

कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में 30 से अधिक अभिनेताओं की एक बड़ी स्टारकास्ट है। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म को अहमद खान ने निर्देशित किया है। फिल्म में बहुत बड़े कलाकारों की टोली है। इसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। अक्षय के अलावा फिल्म में सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, रवीना टंडन, जैकी श्रॉफ, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, राजपाल यादव, जॉनी लीवर और भी कई मशहूर कलाकार नजर आएंगे। वेलकम टू द जंगल एक कॉमेडी फिल्म है, जिसकी रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म से अक्षय के पहले लुक को देखकर फैंस लगातार अपनी राय पेश कर रहे हैं।

विद्या-राशि संग बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रहे अक्षय कुमार, अनीज बज्मी की कॉमेडी फिल्म की रिलीज डेट भी हो गई अनाउंस

अ अक्षय कुमार और विद्या बालन अपनी चौथी फिल्म के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने वाले हैं. बीते कुछ हफ्तों पहले ही इस जोड़ी ने नए अंदाज में अपनी आगामी प्रोजेक्ट का एलान किया था और फैंस को बताया कि वे नए प्रोजेक्ट के लिए एक साथ आ रहे हैं. इससे पहले वे भूल भुलैया (2007), हे बेबी (2007), और मिशन मंगल (2019) जैसी हिट फिल्मों में एक साथ नजर आ चुके हैं. अब अनीस बज्मी की निर्देशित और दिल राजू द्वारा निर्मित एक नई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म के लिए फिर से साथ आने को तैयार हैं. आज, मेकर्स ने इस अनटाइटल्ड फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया है. श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर अपनी इस अनटाइटल्ड फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया और यह कहकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी कि और भी अपडेट जल्द ही आएंगे. श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स ने अनाउंसमेंट करते हुए कहा कि अनीस

बज्मी की निर्देशित अक्षय कुमार और विद्या बालन की आगामी कॉमेडी फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. कुछ दिन पहले, अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर अपनी, विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ एक तस्वीर शेयर की. इस तस्वीर में तीनों ही मुस्कुराते हुए कैमरे के लिए पोज देते हुए नजर आ रहे थे. इस पोस्ट के जरिए खिलाड़ी कुमार ने फिल्म के बारे में अपडेट देते हुए कहा कि उन्होंने केरल में अपने शूट का शेड्यूल पूरा कर लिया है. कैप्शन में उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि किसी खूबसूरत जगह पर बेहतरीन लोगों के साथ काम करने से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता. एक्टर ने अपने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, केरल का शेड्यूल पूरा हुआ. किसी खूबसूरत जगह पर अच्छे लोगों के साथ काम करने का मजा ही कुछ और है. हमारे डायरेक्टर अनीस बज्मी को कैमरे के पीछे की सारी मस्ती के लिए, और मेरे जबरदस्त को-स्टार्स विद्या, राशि, छोटे राजपाल और पूरी टीम को ढेर सारा प्यार. यह वाला अनुभव बहुत खास रहा.

अक्षय कुमार पिछली बार भूत बंगला में नजर आए थे, जो अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है. विद्या बालन ने रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी में एक अहम भूमिका निभाई है, जो फिलहाल सिनेमाघरों में चल रही है.

ECL Ends Hindi Internship to Promote Language and Cultural Skills

DB Reporter

Sanctoria : Eastern Coalfields Limited (ECL) has successfully concluded its Rajbhasha (Hindi) Internship Programme aimed at enhancing language proficiency, cultural awareness, and practical understanding of India's official language policy among undergraduate students. The initiative reflects the company's efforts to strengthen linguistic competence and civic engagement through structured academic outreach.The valedictory session of the 12-day programme was held on May 13 at the Human Resource Development (HRD) auditorium in Sanctoria. The internship, conducted from April 28, was jointly organized by ECL's HRD and Rajbhasha departments for sixth-semester B.A. (Hindi) students of Kulti College.Shri Arun Kumar, General Manager (E&M), attended the programme as Chief Guest, while Shri Vivek Kumar, Technical Secretary to the Director (HR) and Head of Rajbhasha, was present as Guest of Honour. Senior Manager (HR) P. Sahani also participated in the concluding ceremony.Spanning 60 hours over 12 working days, the programme provided comprehensive exposure to the Government of India's official language policy, implementation frameworks, Hindi committees, inspection systems, translation techniques, and technical terminology. Students were also trained in the use of digital Hindi tools and introduced to initiatives such as World Hindi Day and the World Hindi Secretariat.The curriculum combined theoretical learning with practical sessions, ensuring active participation and skill development. All students were awarded completion certificates for successfully finishing the programme.ECL highlighted that the initiative is designed to build professional communication skills, cultural literacy, and awareness of official language practices among students from nearby institutions. Participants from Kulti College were appreciated for their enthusiasm and disciplined engagement throughout the internship.The organization also acknowledged the contributions of Rajbhasha officials Rupa Mitra and Sumedha Bharti in the successful execution of the programme.ECL stated that, aligned with constitutional objectives of promoting India's composite culture, this internship marks the beginning of a broader initiative planned for FY 2026–27 under the guidance of the Chairman-cum-Managing Director to further expand the use of Hindi in official and social domains.

Sainik School Purulia Wins Group D Hockey Tournament 2026

DB Reporter

Nalanda : Sainik School Purulia emerged as the overall champion of the All India Sainik Schools Intra Group 'D' Hockey Tournament 2026–27, which concluded with a grand felicitation ceremony at Sainik School Nalanda on May 14. The four-day tournament witnessed intense competition among four Sainik Schools from Bihar, Jharkhand, and West Bengal.

The closing ceremony commenced at the Main Parade Ground with the arrival of Chief Guest Colonel Bhupender Kumar, who praised the cadets for their discipline, teamwork, and sportsmanship. Shri Vijit Kumar, Director of Sports, welcomed the gathering and presented the tournament report.The tournament, held from May 11 to May 14, featured 192 cadets competing in Boys Under-15, Boys Under-17, and Girls Under-17 categories. Participating schools included Sainik School Nalanda, Sainik School Gopalganj, Sainik School Tilaiya, and Sainik School Purulia.

Sainik School Purulia secured the overall championship title after winning the Boys Under-15 and Girls Under-17 categories, while Sainik School Nalanda finished as runners-up overall. However, the host school delivered a remarkable performance in the Boys Under-17 category, clinching the championship trophy after defeating Purulia in the final.

Cadet Prince Kumar emerged as the star performer of the tournament by winning both the Best Player and Highest Scorer awards in the Boys Under-17 category. Arun Kumar of Nalanda received the Best Goalkeeper award.

In the Boys Under-15 section, Aditya Kumar of Purulia was named Best Player, while Debarpan Banerjee won Best Goalkeeper honours. The Girls Under-17 category saw Ragni Kumari of Purulia winning Best Player and Shubh Priya of Gopalganj emerging as Highest Scorer.

During his address, Colonel Bhupender Kumar highlighted the importance of sports in building leadership, discipline, and character among students and formally declared the tournament closed.

After PM's appeal, Centre proposes public transport use by govt officials

New Delhi, Agency: In the first policy move aimed at saving fuel, the Centre has proposed the use of public transport for all government officials. In an office memorandum issued here, the Ministry of Housing and Urban Affairs has called for "economic self-dependence" saying, "There is a need to adopt prudent mobility and efficiency measures in line with the call given by the Prime Minister on May 10 for economic self-dependence through reduced dependence on imported petroleum and greater use of sustainable public transport."

Titled "Integrated bus and metro connectivity to promote public transport in Delhi", the concept note also includes details of comprehensive vehicle bus routes and corresponding time tables for all colonies under government pool residential accommodation.

Minister: Govt to promote export of freshwater species

New Delhi, Agency: Union Minister Rajiv Ranjan Singh on Thursday said the government was assessing export gaps in inland states and developing targeted strategies for promoting the exports of freshwater species, with a view to strengthen India's overall fisheries export ecosystem.Addressing a meeting here, he said steps were being taken for the promotion of fishery products, including value added products and facilitation of sanitary and phytosanitary (SPS) approvals in key international markets.

MP firecracker factory blast: Death toll rises to 5; CM Yadav orders detailed probe

New Delhi, Agency: The death toll in the explosion at a firecracker factory in Madhya Pradesh's Dewas district has risen to five after two more injured workers died during treatment, officials said on Thursday. Another 23 people are still undergoing treatment at hospitals in Dewas and Indore.

Dewas Additional District Magistrate Sanjeev Jain said the two workers, who had been admitted to a private hospital in Dewas with severe injuries, succumbed later in the day. Earlier, officials had confirmed four deaths following the massive blast and fire at the factory in the Tonk Kalan area.

Police have arrested factory owner Anil Malviya under the stringent National Security Act (NSA). Officials also suspended the factory's firecracker licences, which had reportedly been renewed only earlier this month. District authorities said the factory had started manufacturing small firecrackers around 15 days ago.

Madhya Pradesh chief minister Mohan Yadav visited injured workers at hospitals in Indore and assured them of full support from the state government. He also announced a high-level inquiry into the incident.

"We are conducting a detailed investigation into the incident, and further action will be taken based on the investigation report," Yadav told reporters, adding that those responsible would not be spared.

Over 38 Kuki, Naga people held hostage by various groups: Manipur minister

New Delhi, Agency: Manipur Home Minister Govindas Konthoujam on Thursday said over 38 persons belonging to the Naga and Kuki communities were held hostage by various groups in the state.

Fresh violence gripped Manipur on Wednesday, as suspected militants shot dead three church leaders and injured four persons in Kangpokpi district, while a civilian was gunned down and his wife wounded in Noney district. On Thursday, Konthoujam said, "More than 38 people from both the communities (Naga and Kuki) were detained by different groups. We are actively holding discussions with civil society groups and political leaders to secure their release." Konthoujam made the remarks while visiting the family of the civilian killed in the attack near Jouzangtek in Noney district.

'Peace can't be piecemeal': India voices concern over Strait of Hormuz, Gaza at BRICS conclave

New Delhi, Agency: India on Thursday voiced strong concerns over the crisis in West Asia, warning that continued tensions threaten global energy supplies, maritime stability and economic security, as external affairs minister S Jaishankar urged BRICS nations to find "practical ways" to deal with geopolitical upheavals and "unilateral coercive" sanctions.

Addressing the opening day of a two-day BRICS conclave, Jaishankar said respect for sovereignty and territorial integrity must remain central to international relations, asserting that "dialogue and diplomacy" offer the only sustainable path to conflict resolution.

"The conflict in West Asia merits particular attention. Continuing tensions, risks to maritime traffic, and disruptions to energy infrastructure highlight the fragility of the situation," Jaishankar said.

He stressed that safe and unimpeded maritime flows through international waterways, including the Strait of Hormuz and the Red Sea, remain vital for global economic well-being. The minister also voiced concern over the humanitarian situation in Gaza and reiterated India's support for a peaceful resolution of the conflict. "The wider region also gives rise to serious concern. The conflict in Gaza has grave humanitarian implications.

NEET UG exam 2026 rescheduled for June 21 after paper leak row

New Delhi, Agency: The National Testing Agency on Friday announced that the re-examination for NEET (UG) 2026 will be held on June 21, Sunday.

The decision comes days after the agency cancelled the NEET-UG exam conducted on May 3 following allegations of irregularities, impacting lakhs of medical aspirants across the country. The government had also ordered a comprehensive probe by the Central Bureau of Investigation into the alleged malpractice linked to the examination.

While announcing the cancellation earlier, the NTA said the decision was taken "in the interest of students" and to preserve public trust in the national examination system.

"On the basis of inputs subsequently examined by NTA in coordination with central agencies, and the investigative findings shared by the law enforcement agencies, the National Testing Agency, with the approval of the Government of India, has decided to cancel the NEET (UG) 2026 examination conducted on 3 May 2026, and to re-conduct the examination on dates that will be notified separately," the agency had posted on X.

"The inputs received by NTA, taken together with the findings shared by the law enforcement agencies, established that the present examination process could not be allowed to stand. The re-conducted examination dates, along with the re-issued admit-card schedule, will be communicated through the official channels of the agency in the coming days," it added.

Protests erupted in several cities after the cancellation of the exam, with workers of the National Students' Union of India staging demonstrations against the alleged paper leak and examination irregularities. The controversy began after investigators found evidence suggesting that a so-called "guess paper" had been circulated among NEET aspirants weeks before the examination and allegedly contained questions closely matching the actual paper.

According to investigators, the document included around 410 questions and was reportedly shared among students between 15 days and a month before the May 3 exam.